घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 104- शुक्रवार 13- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव नहीं आएगा

भाजपा सांसद ने राहुल की सदस्यता खत्म करने का नोटिस दिया,कहा...वे गुमराह कर रहे

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्स्टेंसिव मोशन पेश किया है। राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, सरकार राहुल के खिलाफ सदन में उनकी स्पीच के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस नहीं लाएगी। इस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदीजी ने छाती 56 इंच की नपवाई थी। उनके खिलाफ भी प्रस्ताव आना चाहिए। हालांकि, बीजेपी उनके (राहुल) भाषण से आपत्तिजनक हिस्से हटाने को लेकर अब भी अड़ी हुई है, क्योंकि उन्होंने अब तक अपने आरोपों को लेकर सबूत पेश नहीं किए हैं। बीजेपी के चीफ व्हिप संजय जायसवाल ने राहुल के बजट चर्चा के दौरान कहे गए कुछ अंशों को रिकॉर्ड से हटाने का औपचारिक नोटिस दिया है। इससे पहले, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें 4 फरवरी को लोकसभा स्पीकर के चैंबर में हंगामे का जिक्र है। रिजिजू ने दावा किया है कि विपक्षी सांसदों ने प्रियंका गांधी की मौजूदगी में गालियां दीं। हालांकि प्रियंका ने कहा कि गालियां देने वाली बात झूठी है। उन्होंने किसी को नहीं उकसाया। वे चुपचाप थीं। आखिर में केवल शांति से अपनी बात रखी थी। चर्चा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे वित्त मंत्री को ध्यान से सुन रहे हैं, लेकिन तमिलनाडु के कर्ज को लेकर गलत जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में चुनाव हैं और एआईएडीएमके के नेता, जिनका इस सदन से कोई संबंध नहीं है।

सीतारमण ने कहा- भारत को वर्ल्ड हेल्थकेयर डेस्टिनेशन बनाएंगे

उन्होंने कहा कि सरकार देश में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। कुछ लोगों का आरोप है कि स्वास्थ्य क्षेत्र पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, लेकिन सरकार भारत को वर्ल्ड हेल्थकेयर डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। वित मंत्री के राज्यसभा में जवाब के दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। इस पर उपराष्ट्रपति ने उन्हें टोकते हुए नियम पुस्तिका का हवाला दिया और कहा कि किसी सदस्य के भाषण के दौरान रनिंग कमेंट्री या बीच में टिप्पणी करना नियमों के खिलाफ है।

पीयूष गोयल बोले- राहुल गांधी झूठ का पुलिंदा हैं...

लोकसभा एलओपी राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, राहुल गांधी झूठ का पुलिंदा हैं। वह पूरी तरह से गलत जानकारी फैलाते हैं। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि यूएस-इंडिया ट्रेड डील में भारत के हितों और भारतीय किसानों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। भारतीय किसानों के ज़्यादातर प्रोडक्ट, हमारी डेयरी, पोल्ट्री, चावल, गेहूं, सोयाबीन और मक्का, केला, स्ट्रॉबेरी, चेरी, संतरा, सब्जियां, इथेनॉल, तंबाकू, मीट, दालें, बाजरा, रागी- किसानों का लगभग 90-95% प्रोडक्ट यूएस ट्रेड डील से बाहर है और जो भारत की जरूरत है, जिसे हम आज भी इंपोर्ट करते हैं, जिससे हमारे देश के किसानों को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमने ऐसी चीजों को अमेरिका के लिए सोची-समझी रणनीति के तहत सोच-समझकर खोला है। एक तरह से किसानों के हितों में एक बहुत अच्छी स ट्रेड डील हुई है, लेकिन राहुल गांधी पार्लियामेंट में बैठकर इसके बारे में झूठ बोलते हैं और इसे ऑथेंटिकेट भी नहीं करते। गोयल ने कहा कि मैं उनकी निंदा करता हूं, राहुल गांधी,कांग्रेस पार्टी और उनके दूसरे साथी, चाहे वह डीएमके, समाजवादी पार्टी, टीएमसी या कम्युनिस्ट पार्टी, ये सभी विकास के खिलाफ हैं। वे देश को तेजी से आगे बढ़ते हुए नहीं देख सकते। वे यह नहीं देख सकते कि मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ रही है।

सक्षिप्त समाचार

दूरदर्शन की मशहूर समाचार एंकर सरला माहेश्वरी का 71 वर्ष की आयु में निधन...

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। उनके निधन की सूचना देते हुए दूरदर्शन ने एक्स पर लिखा, 'दूरदर्शन परिवार की ओर से सरला माहेश्वरी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। वह दूरदर्शन की सम्मानित और प्रतिष्ठित समाचार वाचिका थीं, जिन्होंने अपनी सौम्य आवाज, सटीक उच्चारण और गरिमापूर्ण प्रस्तुति से भारतीय समाचार जगत में विशेष स्थान बनाया। उनकी सादगी, संयम और व्यक्तित्व ने दर्शकों के मन में गहरा विश्वास स्थापित किया।' माहेश्वरी के निधन पर उनके सहकर्मियों और प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर शोक जताया है। पूर्व एंकर कादंबिनी शर्मा ने एक्स पर लिखा कि माहेश्वरी को देखते हुए वह बड़ी हुई हैं। महिला कांग्रेस ने माहेश्वरी के निधन को टीवी पत्रकारिता के स्वर्णिम युग का अंत बताया। एक सहकर्मी शमी नारंग ने कहा, 'सरला माहेश्वरीजी न केवल दिखने में सुंदर थीं, बल्कि दिल से भी खूबसूरत थीं, भाषा पर उनकी असाधारण पकड़ थी और ज्ञान का भंडार थीं।'

लाल किला हमले में जैश-ए-मोहम्मद का हाथ... यूएन रिपोर्ट ने पाकिस्तान के दावों की खोली पोल

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध निगरानी समिति की ताजा रिपोर्ट ने वैश्विक मंच पर पाकिस्तान के आतंकी दावों को बड़ा झटका दिया है। इस रिपोर्ट में आधिकारिक तौर पर यह दर्ज किया गया है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर हुए भीषण आतंकवादी हमले में शामिल था। भारत के लिए इसे एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक जीत माना जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान वर्षों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह झूठ बोलता रहा है कि उसकी धरती पर सक्रिय आतंकी संगठन अब बेअसर या निष्क्रिय हो चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद न केवल भारत में अपनी हिंसक गतिविधियों को जारी रखे हुए है, बल्कि वह अब अपनी संगठनात्मक क्षमताओं का विस्तार भी कर रहा है। सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया गया है कि इस आतंकी समूह ने जमात-उल-मुमिनात नामक एक समर्पित महिला विंग स्थापित करने की योजना बनाई है।

सेना की बढ़ेगी ताकत...114 राफेल और 6 पी-8आई विमान खरीद को मंजूरी, 3.25 लाख करोड़ रुपये का है रक्षा सौदा

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। देश की सुरक्षा व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी ने एक ऐतिहासिक खरीद को मंजूरी दी है।

परिषद ने भारतीय वायुसेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों और नौसेना के लिए 6 पी-8आई पोसीडॉन समुद्री निगरानी विमानों की खरीद के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी रक्षा खरीद योजनाओं में से एक माना जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये बताई गई है।

वायुसेना को मिलेंगे 6 से 7 नए स्क्वाड्रन

इस सौदे का सबसे अहम पहलू वायुसेना की गिरती स्क्वाड्रन संख्या को संभालना है। 114 नए राफेल विमानों के शामिल होने से भारतीय वायुसेना को 6 से 7 नए स्क्वाड्रन मिलेंगे। वर्तमान में वायुसेना के पास लगभग 30 स्क्वाड्रन हैं, जबकि देश की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए 42 स्क्वाड्रन की आवश्यकता है। डीएसी की मंजूरी मिलने के बाद अब यह प्रस्ताव अंतिम स्वीकृति के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के पास भेजा जाएगा।

नौसेना की समुद्री निगरानी भी होगी मजबूत

आसमान के साथ-साथ समंदर में भी भारत की निगरानी क्षमता बढ़ने वाली है। डीएसी ने नौसेना के बेड़े में 6 नए पी-8आई एयरक्राफ्ट जोड़ने को मंजूरी दी है। भारतीय नौसेना पहले से ही 12 पी-8आई विमानों का संचालन कर रही है। इन नए विमानों के आने से हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी (एंटी सबमरीन) क्षमता को और अधिक मजबूती मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे 'सेवा तीर्थ' और 'कर्तव्य भवन-1 एवं 2' का उद्घाटन

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार, 13 फरवरी को 'सेवा तीर्थ' और 'कर्तव्य भवन-1 एवं 2' का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने गुरुवार को बताया कि नवनिर्मित सेवा तीर्थ परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय होंगे। कर्तव्य भवन-1 और 2 में वित्त मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और जनजातीय कार्य समेत कई मंत्रालय होंगे। पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री 13 फरवरी को दोपहर 1:30 बजे नवनिर्मित प्रधानमंत्री कार्यालय परिसर का सेवा तीर्थ के रूप में औपचारिक रूप से नामकरण करेंगे और इसके बाद सेवा तीर्थ तथा कर्तव्य भवन-1 एवं 2 का उद्घाटन करेंगे। शाम 6 बजे प्रधानमंत्री सेवा तीर्थ में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कई दशकों से केंद्रीय मंत्रालय और कार्यालय सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में अलग-अलग इमारतों में बिखरे हुए थे। इससे कार्यक्षमता में कमी, समन्वय की चुनौतियां, रखरखाव की बढ़ती लागत और उपयुक्त कार्य वातावरण की कमी जैसी समस्याएं सामने आती थीं। नए भवनों के निर्माण से इन समस्याओं का समाधान होगा और प्रशासनिक कार्य एक आधुनिक, कुशल और नागरिक-केंद्रित ढांचे में संचालित होंगे। दोनों परिसरों में डिजिटल रूप से एकीकृत कार्यालय,संरचित सार्वजनिक इंटरफेस जोन और केंद्रीकृत रिसेप्शन सुविधाएं हैं। यह सहयोग, दक्षता, पारदर्शी शासन, बेहतर नागरिक सहभागिता और कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा देंगे। भवनों को 4-स्टार जीआरआईएचए रेटिंग के अनुसार डिजाइन किया गया है,जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां,जल संरक्षण उपाय,अपशिष्ट प्रबंधन समाधान और उच्च प्रदर्शन वाली संरचनाएं शामिल हैं। साथ ही,स्मार्ट एक्सेस कंट्रोल,निगरानी नेटवर्क और उन्नत आपातकालीन प्रतिक्रिया ढांचे जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं भी मौजूद हैं।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का प्रस्ताव संविधान के अनुरूप : बीआर गवई

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की गुरुवार को हुई बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का प्रस्ताव संविधान के अनुरूप है और यह मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता। उन्होंने कहा कि संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है और यह उसका विशेषाधिकार है। इसमें लोकतंत्र या संघीय ढांचे का कोई उल्लंघन नहीं है। बैठक के बाद संसद के बाहर जेपीसी के अध्यक्ष और भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने पत्रकारों को जानकारी दी कि बैठक में सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। पूर्व न्यायमूर्ति बीआर गवई ने बैठक में आकर सदस्यों द्वारा संवैधानिक वैधता से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा सभी दलों को राष्ट्रीय हित में एकजुट होकर इस पर काम करना चाहिए, ताकि विश्व के सामने देश की एकता प्रदर्शित हो सके। उन्होंने कहा कि यदि इन चुनावी सुधारों को लागू किया जाता है तो पूरे देश को इसका लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि एक राष्ट्र एक चुनाव के तहत देश में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की बात की गई है।

भारत ने पहली बार मल्टीनेशनल कंबाइंड टास्क फोर्स-154 की कमान संभाली

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर क्षेत्र और उससे भी आगे समुद्री सुरक्षा और क्षमता निर्माण के लिए पहली बार बहुराष्ट्रीय संयुक्त कार्य बल (सीटीएफ) 154 की कमान संभाल ली है।

इसे भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करने वाले एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के रूप में माना जा रहा है। कमांड संभालने पर भारतीय नौसेना का मकसद उच्च प्रभावी प्रशिक्षण पहल प्रदान करना और शांति,समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए वैश्विक समुद्री साझीदारी को मजबूत बनाना शामिल है। मल्टीनेशनल कंबाइंड टास्क फोर्स संभालने वाले समारोह का आयोजन 11 फरवरी को बहरीन के मनामा स्थित संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) मुख्यालय में हुआ, जिसकी अध्यक्षता अमेरिकी नौसेना के वाइस एडमिरल कर्ट रेनशॉ ने की। इस अवसर पर भारत के उप नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल तरुण सोबती और अन्य सदस्य देशों के वरिष्ठ सैन्य प्रमुख उपस्थित थे।

इसी कार्यक्रम में इटली की नौसेना के कमोडोर एंड्रिया बिएली ने मल्टीनेशनल मैरीटाइम ट्रेनिंग टास्क फोर्स की कमान भारतीय नौसेना के कमोडोर मिलिंद मोकाशी को सौंप दी। वाइस एडमिरल रेनशॉ ने कहा कि कोमोडोर बिएली के नेतृत्व में सीटीएफ-154 की इटली की पहली कमांड के दौरान इस टास्क फोर्स ने बड़ी सफलता हासिल की है।

किसानों-व्यापारिक संगठनों का भारत बंद

कहीं बाजार बंद रहे तो कहीं ट्रांसपोर्ट व्यवस्था लड़खड़ाई,कहीं-कहीं मामूली झड़प हुई

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान करते हुए भारत बंद का ऐलान किया है। इसका असर आज देश के कई राज्यों में दिखाई दिया है। जरुरी सेवाओं को छोड़कर, राज्यों में दुकानें, बाजार और ट्रांसपोर्टेशन की सुविधाएं बाधित हुई हैं। कहीं कहीं मामूली झड़पें होने की भी खबरें हैं। इसका प्रभाव मध्य प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। प्रदेश में सरकारी और निजी बैंक, बीएसएनएल, बीमा तथा डाक विभाग सहित कई केंद्रीय कार्यालयों की सेवाओं पर भी असर हुआ हैं। हालांकि रेलवे सेवाएं सामान्य है। आईएनटीयूसी,एआईटीयूसी,एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, सेवा सहित बैंक, बीमा, केंद्रीय कर्मचारी और बीएसएनएल से जुड़े संगठनों ने हड़ताल को समर्थन दिया है। इस भारत बंद का असर सर्वाधिक गैर भाजपा शासित राज्यों में देखा गया है जबकि भाजपा शासित राज्यों में मिलाजुला असर रहा है।

पंजाब : परिवहन सेवा ठप

हड़ताल का केंद्र होने के कारण पंजाब में सरकारी परिवहन सेवा पूरी तरह ठप है। फरीदकोट,लुधियाना,पटियाला और अमृतसर जैसे प्रमुख शहरों में बस अड्डों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। निजीकरण के विरोध में और मुख्यमंत्री आवास के घेराव की चेतावनी के बीच पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों को निजी वाहनों और टैक्सियों का सहारा लेना पड़ रहा है,जो मनमाना किराया वसूल रहे हैं।

उत्तर प्रदेश और बिहार में असर : उत्तर प्रदेश के पश्चिमी जिलों में हड़ताल का आंशिक असर है। हालांकि यहाँ स्थानीय परिवहन चालू है। सरकारी बसों के न चलने से सबसे ज्यादा परेशानी छात्रों, दैनिक यात्रियों और उन लोगों को हो रही है जो इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर जा रहे हैं। रेलवे स्टेशनों पर भीड़ अचानक बढ़ गई है क्योंकि बस सेवा का विकल्प न मिलने पर लोग ट्रेनों की ओर रुख कर रहे हैं। वहीं पटना में भी लेफ्ट संगठन और मजदूर संगठनों के द्वारा हड़ताल को प्रभावी बनाने के लिए जुलूस और प्रदर्शन किया गया। बंगला चौराहे पर सैकड़ो की संख्या में पहुंचे लेफ्ट नेताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सरकार के द्वारा जो मजदूर विरोधी कानून लाया गया है इसे तत्काल वापस लेने की मांग की।

हरियाणा और राजस्थान : अंतरराज्यीय सेवाओं में बाधा

पंजाब से सटे हरियाणा और राजस्थान के इलाकों में भी इसका असर दिखाई दे रहा है। पंजाब रोडवेज की बसें सीमा पार नहीं कर रही हैं, जिससे दिल्ली-अमृतसर और दिल्ली-बठिंडा रूट प्रभावित हुए हैं। हरियाणा रोडवेज ने सावधानी बरतते हुए कुछ संवेदनशील रूटों पर अपनी सेवाओं को सीमित कर दिया है।

दिल्ली और एनसीआर : बॉर्डर पर सुरक्षा सख्त

दिल्ली के गाजीपुर और सिंघु बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। चूँकि प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने की योजना बना रहे हैं, इसलिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यातायात की गति धीमी हो गई है। दिल्ली आने-जाने वाली सरकारी अंतरराज्यीय बसों की संख्या में भारी कमी दर्ज की गई है।

राहुल बोले...क्या मोदी जी अब सुनेंगे ?

ट्रेड यूनियनों के भारत बंद पर सांसद राहुल गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा है कि आज देशभर में लाखों मजदूर और किसान अपने हक़ की आवाज़ बुलंद करने सड़कों पर हैं। मजदूरों को डर है कि चार श्रम संहिताएं उनके अधिकारों को कमजोर कर देंगी। किसानों को आशंका है कि व्यापार समझौता उनकी आजीविका पर चोट करेगा। और मनरेगा को कमजोर या खत्म करने से गांवों का आख़िरी सहारा भी छिन सकता है। जब उनके भविष्य से जुड़े फैसले लिए गए, उनकी आवाज को नज़रअंदाज किया गया। क्या मोदीजी अब सुनेंगे? या उन पर किसी ग्रिप की पकड़ बहुत मज़बूत है? मैं मजदूरों और किसानों के मुद्दों और उनके संघर्ष के साथ मजबूती से खड़ा हूँ।

हरदीप पुरी बोले...राहुल ने खुद को मूर्ख साबित किया

एपस्टीन से दो मुलाकातों पर दोषी नहीं ठहरा सकते

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने आप को मूर्ख साबित कर लिया है। पुरी ने इंटरव्यू में एपस्टीन फाइल्स में अपना नाम आने और विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। हरदीप पुरी ने दावा किया कि जब वे काम से जुड़े मुद्दों पर अमेरिकी फाइनेंसर और बाल यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से मिले थे तो उन्हें असहजता महसूस हुई थी। उन्होंने कहा- मैंने एपस्टीन से मिलने की इच्छा नहीं जताई थी। ये मुलाकातें अरेंज की गई थीं। उन्होंने आगे कहा- दो मुलाकातों से किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मैं इस मामले में बेदाग हूं। उस समय तो मैं सरकार का हिस्सा भी नहीं था। इसलिए राहुल गांधी का यह कहना कि एपस्टीन फाइल्स की वजह से प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील में सरेंडर कर दिया, बिल्कुल गलत है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को संसद में दावा किया था कि अमेरिका में जारी किए गए एपस्टीन फाइल्स में हरदीप पुरी का नाम है। राहुल के आरोपों पर पुरी ने बुधवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पहली बार माना था कि वह यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन या चार बार मिले थे।

पुरी ने कहा....मुलाकात के समय एपस्टीन को नहीं जानता था...

पुरी से इंटरव्यू में जब पूछा गया कि क्या आपको आपराधिक आचरण की जानकारी थी तो पुरी ने कहा- 'मैं नहीं जानता था कि वह कौन था। मैं पहली बार एपस्टीन से एक मीटिंग में मिला था। मुझे उसके बैकग्राउंड के बारे में पता नहीं था। पुरी ने बताया- मैं इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूशन से जुड़े एक डेलिगेशन के रूप में गया था। उसी दौरान एपस्टीन से मिला। मैं सार्वजनिक जीवन में कई तरह के लोगों से मिलता हूं, जिनमें से कुछ का आपराधिक रिकॉर्ड भी हो सकता है। पुरी ने कहा- पहली बार मुलाकात के दौरान मुझे नहीं पता था कि एपस्टीन कौन हैं। हमने उनके बारे में गूगल पर सर्च किया। फिर हमने आपस में भी चर्चा की कि हमें उनसे मिलना चाहिए या नहीं? पुरी ने एपस्टीन के आपराधिक मामलों से अपना कोई संबंध होने के आरोपों को बेबुनियाद बताया।

पुरी बोले...एपस्टीन को मीटिंग का इनविटेशन नहीं था...

पुरी ने कहा- राजनीति में या सार्वजनिक जीवन में, अगर मैं सरकारी अधिकारी होता,तो मैं किसी को मैसेज भेजकर पूछता, 'क्या मुझे इस व्यक्ति से मिलना चाहिए?' लेकिन उस समय मैं आईपीआई के साथ काम कर रहा था। पुरी ने कहा...हम दुनिया को समझने की कोशिश कर रहे थे। हमने एपस्टीन को वहां इनवाइट नहीं किया था। आईपीआई के डेलिगेशन के हिस्से के रूप में एपस्टीन से तीन या चार बार मुलाकात की थी। पुरी ने बताया कि एपस्टीन आईपीआई के सदस्य भी नहीं थे।

संपादकीय

मनमानी रोकने वाले नए नियम

भारत का डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र एआई और सिंथेटिक कंटेंट से उत्पन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है। सरकार ने आईटी नियमों में संशोधन और एआई गवर्नेंस दिशानिर्देशों के माध्यम से इसे मजबूत किया है। नए नियम एआई-जनित सामग्री की स्पष्ट परिभाषा देते हैं, रोकथाम पर जोर देते हैं,और लेबलिंग अनिवार्य करते हैं। इसका उद्देश्य तकनीकी प्रगति और नागरिक गरिमा के बीच संतुलन स्थापित करते हुए पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करना है...

भारत का डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र एआई और सिंथेटिक कंटेंट से उत्पन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है। सरकार ने आईटी नियमों में संशोधन और एआई गवर्नेंस दिशानिर्देशों के माध्यम से इसे मजबूत किया है। नए नियम एआई-जनित सामग्री की स्पष्ट परिभाषा देते हैं, रोकथाम पर जोर देते हैं,और लेबलिंग अनिवार्य करते हैं। इसका उद्देश्य तकनीकी प्रगति और नागरिक गरिमा के बीच संतुलन स्थापित करते हुए पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

भारत का डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। मशीनी कौशल (एआइ) में हुई प्रगति,खासकर आडियो, वीडियो और आडियो-वीडियो कंटेंट को बनाने और बदलने की तकनीक ने सूचना के सृजन,उपभोग और विश्वास के तरीके को मौलिक रूप से बदल दिया है। जहां ये तकनीक अभिव्यक्ति,रचनात्मकता और लोगों तक पहुंच को बढ़ाती हैं,वहीं ये ऐसे नए खतरे भी पैदा करती हैं जो सीधे तौर पर व्यक्ति की गरिमा,सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों से जुड़े हुए हैं। कृत्रिम रूप से बनाई गई जानकारी से पैदा होने वाली खास चुनौतियों को समझते हुए भारत सरकार ने डिजिटल मध्यस्थों (डिजिटल इंटरमीडियरी) से जुड़े कानून और नीतिगत ढांचे को और मजबूत किया है।

सूचना प्रौद्योगिकी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम, 2021 में किए गए हालिया संशोधन और नवंबर 2025 में इंडिया एआइ मिशन के तहत जारी भारत की एआइ गवर्नेंस गाइडलाइंस, 2025-दोनों को साथ पढ़ने पर सरकार का एक संतुलित और स्पष्ट दृष्टिकोण सामने आता है। इसका मतलब यह है कि वास्तविक नुकसान से निपटने के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी जिम्मेदारियां तय की गई हैं और साथ ही जिम्मेदार तरीके से एआइ को अपनाने के लिए नीतिगत सिद्धांत भी तय किए गए हैं।

हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) से व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए ये सभी नियम और दिशानिर्देश मिलकर सरकार की एक साफ मंशा दिखाते हैं-तकनीक का विकास ऐसा हो,जो पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक की गरिमा को बनाए रखने वाले ढांचे के भीतर ही आगे बढ़े। संशोधित इंटरमीडियरी नियमों में पहली बार कृत्रिम रूप से बनाई गई जानकारी की एक साफ और व्यावहारिक परिभाषा दी गई है। इसमें वह कंटेंट शामिल है जो इस तरह बनाया या बदला गया हो कि वह असली जैसा लगे या हकीकत से अलग पहचान में न आए,लेकिन इसमें सामान्य और ईमानदार कामों को साफ तौर पर बाहर रखा गया है-जैसे तकनीकी एडिटिंग,दिव्यांगों की सुविधा के लिए किए गए बदलाव, पढ़ाई या शोध से जुड़ी सामग्री और वैध रचनात्मक उपयोग।

क्या है वैलेंटाइन डे का मतलब

प्रोफेसर शामलाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

हम सब मनुष्य लोग प्रेम का परिणाम हैं। प्रेम किसी को भी,किसी समय,किसी से हो सकता है। प्रेम जाति,धर्म,भाषा,क्षेत्र, उम्र आदि बातों को नहीं मानता। प्रेम केवल शारीरिक आकर्षण नहीं है बल्कि प्रेम अंतरात्मा की आवाज है। युगो युगांत्रों से हम प्रेम कहानियाँ सुनते आए हैं। भारत में प्रेम के इजहार के लिए मधुमास दिवस, प्यार दिवस, बसंत उत्सव आदि मनाए जाते हैं। प्रेम कोई आज की बात नहीं है। राधा और कृष्ण के किस्से हम सब लोग जानते हैं। लैला मजनू,शीरी फरहाद,हीर रांझा आदि के किस्से लगभग सभी नौजवान तथा नवयुवतियां जानती हैं। हमारी फिल्म तथा टीवी चैनलों में ऐसे लगता है जैसे कि प्रेम मोहब्बत ही मुख्य मुद्दा हो। पहले पहले प्रेम करना लड़कियों की दृष्टि से एक बंदिश होती थी। अगर मां बाप को पता चल जाता कि उनकी लड़की किसी से प्रेम करती है तो उसका घर से निकलना बंद कर दिया जाता था। लेकिन फिर भी अगर किसी लड़के या लड़की का आपस में प्रेम होता था तो उसमें मर्यादा तथा लुकाछिपी की बात जरूर होती थी। कई बार तो किसी लड़की का किसी लड़के से प्यार होने का राज खुलता था तो उसकी शादी में बहुत रुकावट आ जाती है। प्रेमी तथा प्रेमिका आंखों आंखों में एक दूसरे से प्यार करते थे,कभी कभार एक दूसरे को कोई रुमाल,फूल या पत्ते दे दिया करते थे जिन्हें कि वह अपनी किताबों या कापियों में संभाल कर रखते थे। आजकल भी कुछ मामले ऐसे मामले देखने को मिलते हैं जिसमें प्रेम करने वाले युवा प्रेमियों को समाज जान से मार देता है या फिर किसी वृक्ष पर फांसी पर लटका देता है। कई बार तो युवा प्रेमी जब कोर्ट मैरिज कर लेते हैं तो समाज उनका तथा उनकी मां-बाप का बहिष्कार कर देता है दूसरे शब्दों में हुका पानी बंद कर देता है। यह सारी बातें पारंपरिक प्यार मोहब्बत की है

लेकिन अब जमाना बदल गया है। 1990 के दशक से भारत में प्यार मोहब्बत का इजहार करने के लिए हर साल 14 फरवरी को...वैलेंटाइन डे.. अर्थात प्यार दिवस दुनिया के बहुत सारे देशों की तरह भारत में भी जोश और खरोश के साथ मनाया जाता है। इस दिन युवा प्रेमी तथा प्रेमिका एक दूसरे को लाल गुलाब या फिर और उपहार का आदान-प्रदान करते हैं। इस उत्सव को मनाने के लिए कई बार पार्टियां भी की जाती हैं,युवा प्रेमी तथा प्रेमिका सार्वजनिक तौर पर या किसी होटल में डांस भी करते हैं। आजकल प्रेम और प्यार पहले की तरह डर डर कर या फिर छुप कर नहीं किया जाता। बहुत बार तो लड़का या लड़की अपने मां-बाप को साफ-साफ बता देते हैं

कि वो एक दूसरे को पसंद करते हैं और विवाह करना चाहते हैं। अगर मां-बाप सहमत ना भी हो तो भी वह कोर्ट मैरिज कर लेते हैं। पहले जमाने में तो प्रेम के संदेश चिट्ठियों,कबूतरों या फिर छोटे बच्चों के द्वारा उन्हें लालच देकर पहुंचाए जाते थे। मेरे विचार में कालिदास के प्रसिद्ध मेघदूत में बादल प्रेमी प्रेमिका के संदेश को ले जाने वाला पहला डाकिया समझ जाना चाहिए। लेकिन आजकल प्रेम के इजहार के लिए हमारे पास मोबाइल जैसा सोशल मीडिया है जिसमें वीडियो कॉलिंग,एसएमएस आदि के द्वारा प्यार मोहब्बत के संदेश का आदान-प्रदान किसी भी समय और कहीं भी किया जा सकता है। शेक्सपियर ने अपने किसी नाटक में...प्रथम दृष्टि में प्यार...लव एट फर्स्ट साईट की बात कही है। अधिकांश मामलों में जब कोई लड़की किसी लड़के को मुस्कुरा कर देखती हैं या मुस्कुरा कर बात करती है तो उस लड़के को ऐसे लगता है जैसे कि वह उसे प्यार करती हो। लेकिन यह जरूरी नहीं। आमतौर पर हम एक दूसरे के साथ मुस्कुरा कर ही बात करते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हम सब एक दूसरे को प्यार करते हैं। कई बार एक तरफा प्यार होता है अर्थात लड़का तो लड़की से प्रेम करता है लेकिन लड़की की दिलचस्पी किसी और में होती है। इसके उलट भी हो सकता है अर्थात लड़की सोचती हो कि यह लड़का मुझे प्यार करता है लेकिन वह लड़का वास्तव में किसी और लड़की में दिलचस्पी रखता हूं। अब कैसे पता चले कि कौन किसे प्यार करता है। प्यार तो एक मन की स्थिति है। प्यार बाजार में बिकता नहीं है। किसी से जबरदस्ती प्यार की उम्मीद नहीं की जा सकती। यह तो दिल की भावना है। यह तो दिल के देने और दिल के लेने का मामला है। पुराने विचारों के लोग अपनी संस्कृति को ध्यान में रखते हुए...वैलेंटाइन डे... मनाने के पक्ष में नहीं है! कुछ समय पहले कुछ अति उत्साही...वैलेंटाइन डे विरोधी... संगठनों ने लड़के तथा लड़कियों को पार्कों में या बागों में आपत्तिजनक स्थिति में व्यवहार करते हुए उनके साथ मारपीट की। ठीक है, प्यार करना कोई पाप या जुर्म नहीं। लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि सच्चा प्यार जिंदगी में केवल एक बार और एक से ही होता है। लेकिन आजकल यह देखा गया है कि एक लड़का या लड़की एक समय में एक से ज्यादा के साथ संबंध बनाते हैं। हमें यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि प्यार का मतलब शारीरिक आकर्षण नहीं। लेकिन आजकल के आशिक लोग अपने मनपसंद लड़की से जबरदस्ती शारीरिक आकर्षण के कारण प्यार करते हैं। उसके द्वारा मना करने पर बलात्कार करते हैं,गैंग रेप करते हैं और जान से मार कर टुकड़े-टुकड़े कर देते हैं। इसे प्यार नहीं बल्कि वहशीपन कहना चाहिए। आजकल तो प्यार करने वाले शादीशुदा आदमी और औरत भी...लिव इन रिलेशनशिप...के तहत जब तक दिल चाहे इकट्ठे रहते हैं और फिर जब दिल ऊब जाए तो अपने-अपने रास्ते चले जाते हैं! मैं इसे प्यार के नाम पर वेश्यावृत्ति ही कहूंगा! असल में प्यार परमात्मा का नाम जपने के बराबर है! इसमें स्वार्थ, लुका छिप्पी,केवल शारीरिक आकर्षण नहीं होता। प्यार तो आत्मा की आवाज है, दिल के बदले दिल लेने और देने की बात है। प्रेम कोई व्यापार नहीं, प्यार का दिखावा नहीं होता,प्रेम त्याग चाहता है। प्रेम के लिए इंग्लैंड के राजा किंग एडवर्ड विज ने अपना ताजो तख्त छोड़ दिया था। सच्चा प्रेम स्थाई होता है। कभी डगमगाता नहीं है। सच्चे प्यार की अभिव्यक्ति के लिए पति-पत्नी भी वैलेंटाइन डे मना सकते हैं। वैलेंटाइन डे मर्यादा में रहकर मनाना चाहिए। दिल है तो धड़केगा,धड़केगा तो प्यार भी करेगा और प्यार किसी भी उम्र में,किसी भी जगह, किसी भी क्षेत्र में तथा किसी भी भाषा वाले के साथ हो सकता है। लेकिन यह देखा गया है कि लोग खुद तो प्रेम करना अपना अधिकार समझते हैं लेकिन जब कोई दूसरा व्यक्ति उनके परिवार की बेटी या बहन के साथ प्रेम करता है तो वह इसके खिलाफ हो जाते हैं। बहुत कम मामलों में ही मां बाप अपने बच्चों को अपनी मर्जी से प्रेम करके प्रेम विवाह करने की सच्चे दिल से सहमति देते हैं।

स्मृतियों में बसे हैं रेडियो के खट्टे-मीठे पल

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

सम्पूर्ण विश्व में 13 फरवरी को रेडियो दिवस मनाया जाता है। जन सामान्य को शिक्षा,संस्कृति,सूचना, संचार एवं अभिव्यक्ति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने एवं जागरूकता बढ़ाने के लिए रेडियो की भूमिका के सम्मान एवं स्मरण के लिए रेडियो दिवस मनाकर रेडियो के खट्टे-मीठे पलों को याद करते हैं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ के शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन यूनेस्को ने पेरिस में आयोजित 36वीं आमसभा में 3 नवम्बर, 2011 को घोषित किया कि प्रत्येक वर्ष 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि 13 फरवरी को ही संयुक्त राष्ट्र की 'रेडियो यूएनओ' की वर्षगांठ भी होती है क्योंकि 1946 को इसी दिन वहां रेडियो स्टेशन स्थापित हुआ था। और तब पहली बार 13 फरवरी, 2012 को यह विश्व रेडियो दिवस उमंग-उत्साह पूर्वक पूरी दुनिया में मनाते हुए रेडियो के सुनहरे सफरनामे को याद किया गया। आयोजनों हेतु प्रत्येक वर्ष एक थीम तय की जाती हैं। पिछले वर्ष 2025 की थीम थी-रेडियो और जलवायु परिवर्तन। वर्ष 2026 का विषय है-रेडियो और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जो सामयिक है और आवश्यक भी। विश्व के सभी देशों के रेडियो प्रसारकों और श्रोताओं को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल अपने उद्देश्यों में सफल रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मन की बात से एक बार फिर से रेडियो समाज के मुख्य फलक पर उभर आया है। स्मरणीय है कि 80-90 दशक तक किसी को भी रेडियो रखने और कार्यक्रम सुनने के लिए डाक विभाग द्वारा भारतीय डाक-तार अधिनियम 1885 के अंतर्गत एक वर्षीय लाइसेंस लेना पड़ता था। यह लाइसेंस दो प्रकार का होता था-घरेलू और वाणिज्यिक अर्थात् सामूहिक। घरेलू लाईसेंस का शुल्क 10-15 रुपये और वाणिज्यिक का 25 रुपये वार्षिक होता था। एक वर्ष पश्चात नवीनीकरण कराना होता था। बिना लाइसेंस के रेडियो रखना अपराध की श्रेणी में आता था और सजा का प्रावधान भी था। पर भारत में टेलीविजन के आगमन और प्रसार के बाद रेडियों के अस्तित्व को बचाने के लिए सरकार ने 1987 में लाइसेंस हटा लिया और 1991 से रेडियों की लाइसेंस व्यवस्था पूरी तरह बंद कर दी गई। भारत सरकार ने रेडियो की रजत जयंती के अवसर पर 8 जून,

1961 को स्मारक डाक टिकट जारी किया था। संयुक्त राष्ट्र संघ के डाक प्रशासन ने भी वर्ष 2013 में रेडियो पर डाक टिकट जारी किए थे। रेडियो दिवस के अवसर पर मुझे रेडियो के साथ बिताए बचपन से लेकर अद्यावधि तक के खट्टे-मीठे पल स्मरण हो आये हैं,और तमाम चित्र मेरे मानस पटल पर सजीव होकर उभरने लगे हैं। रेडियो से मेरा जुड़ाव कैसे कब हो गया,मुझे ध्यान नहीं है पर बचपन में जहां कहीं भी रेडियो बज रहा होता, मैं वहां पहुंच कार्यक्रम सुनता था। लोकगीत, बालसभा,कृषि और फिल्मी गानों के कार्यक्रम मन लुभाते थे। क्रिकेट मैच की कमेंट्री सुनने की रुचि के चलते घंटों रेडियो के पास बैठा रहता। पर इससे मेरी पढ़ाई में बाधा कभी नहीं आई। मैं रेडियो सुनते हुए भी पढ़ता रहता था। 70-80 के दशक में रेडियो शौकीन लोगों के पास ही हुआ करता था। रेडियो होना बड़प्पन का भी प्रतीक था। वर्ष 1981 में कस्बे के ब्रह्म विज्ञान इंटर कालेज में कक्षा 6 में प्रवेश लिया था। वहां एक छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण किया था तो 10 रुपये मासिक छात्रवृत्ति मिलने लगी थी, पूरे वर्ष की एक साथ 120 रुपए। कक्षा 6 उत्तीर्ण करते ही 120 रुपये का चेक मिला था, अपने पास रखे रुपये मिलाकर तब 140 रुपये का लकड़ी का बना बैटरी और बिजली दोनों से चलने वाला बड़ा रेडियो लिया था। लेकिन वह एक जगह अलमारी में ही रखा रहता था। उसमें चार सेल पड़ते थे। पर उससे मन ऊब गया और तब रामसंस का रेडियो लिया, किसी बात पर गुस्सा होकर उसे पटक-पटक कर योग दिया और फिर लिया मरफी ब्रांड का छोटा रेडियो,दमदार साफ एवं स्पष्ट आवाज। अब रेडियो पल-पल का साथी था। स्कूल छोड़कर रिश्तेदारों-मित्रों या गांव जाना होता तो रेडियो साथ होता। लोग समाचार या कोई भी कार्यक्रम सुनवाने का अनुरोध करते तो बहुत गौरव एवं गर्व महसूस होता। तब रेडियो चालू करके दीवार पर रख दिया जाता और दर्जनों बाल,वृद्ध और युवा कार्यक्रम का आनंद लेते और तब कोई मुझे घी और बताशा खिलाता, कोई ताजा गुड़ तो कोई गन्ने का रस। खलिहान में नीम के पेड़ पर टंगा बजता रेडियो और गेहूं या धान की होती मंड़ाई,चारपाई पर बैठा मैं और मुझे घेरे खड़ा समूह जो फलां स्टेशन लगाने और कार्यक्रम सुनाने की गुजारिश करते। दिन कब बीत जाता पता ही न चलता।

मेरे पूरे छात्र जीवन में रेडियो साथ रहा। एक दर्जन से अधिक रेडियो बदले होंगे मैंने। लोकल ब्रांड से लेकर मरफी,बुश और फिलिप्स के रेडियो तक। अरे,एक बात बताना भूल गया। रेडियो के स्टेशन बदलने वाली घिरनी का रेशमी धागा लोगों द्वारा बटन अधिक घुमा देने से प्रायः टूट जाता था,तब बीस रुपये में नया धागा पड़ता। बार-बार धागा बदलवाने जाने से थोड़ा सीख गया था। तो एक बार मैंने स्वयं धागा बदलने का निश्चय किया और दूकान से 5 रुपये का रेशमी धागा खरीद कर नया धागा और सुई लगा दी। लेकिन नयी परेशानी आ गयी,जब रेडियो शुरू किया तो स्टेशन बदल गये। छतरपुर, लखनऊ और रीवा स्टेशन ही मीडियम वेब पर सुने जाते थे,पर वे अब इधर-उधर हो गये। मरता क्या न करता,मैकेनिक के पास जाना पड़ा,20 के 30 रुपये भी लगे और उपहास का पात्र भी बना, अधजल गगरी छलकत जाय। एक बार रात में चारपाई पर रेडियो सुनते-सुनते मैं नींद के आगोश में चला गया। सुबह मिली अम्मा की डांट और लगभग चुक चुकी बैटरी। चुनाव विश्लेषण,राजपथ पर गणतंत्र दिवस की परेड तथा क्रिकेट मैच की कमेंट्री सुनने का जुनून था। समाचार प्रस्तुत करते देवकीनंदन पांडेय का धीर-गम्भीर स्वर सम्मोहित करता तो अन्य समाचार पाठकों विनोद कश्यप, रामानुज प्रसाद सिंह एवं अशोक वाजपेई भी आवाज से पहचाने जाते थे। गणतंत्र परेड का मोहक चित्र उपस्थित कर देते जसदेव सिंह एवं सुनीत टंडन और क्रिकेट के मैदान को सजीव साकार कर देती सुशील दोषी, विनीत गर्ग,संजय बनर्जी,अरुण लाल,रवि चतुर्वेदी,कुलविंदर सिंह कंग,एम एम मंजुल, सुरेश सरैया और नरोत्तम पुरी की आवाज ने रेडियो की छवि में चार चांद लगाये। बीबीसी की भी पहुंच और पहचान गांव-गांव थी।

मुझे रेडियो से बहुत कुछ मिला। मैंने किसी विषय की प्रस्तुति का ढंग रेडियो से सीखा। सामान्य ज्ञान और विविध क्षेत्रों की जानकारी रेडियो से पाकर समृद्ध हुआ।लिखने की प्रेरणा मिली और कविताएं एवं लेख आदि लिखने लगा था जो आकाशवाणी छतरपुर से खूब प्रसारित हुए। अप्रैल 1997 में जब मैं आकाशवाणी छतरपुर में पहली रिकार्डिंग कराई और जेब में शायद 756 रुपए का चेक रखकर स्टूडियो से बाहर निकला तो लगा कि मेरे पैर जमीन पर नहीं हैं,मैं आकाश में उड़ रहा हूं। आज जीवन के पांच दशक पूरे करने के बाद भी रेडियो के साथ बिताये खट्टे-मीठे पल स्मृतियों में बसे हैं।

रेडियो सतत बदलाव का साझीदार रहा है। बदलते दौर में लोगों का ध्यान रेडियो से हटा है क्योंकि सूचना,शिक्षा,संचार,मनोरंजन एवं अभिव्यक्ति के तमाम सहज सुलभ संसाधन उपलब्ध हो गये हैं। पूरी दुनिया मुट्ठी में है और मोबाइल की स्क्रीन पर उपलब्ध है। बावजूद इसके रेडियो की प्रासंगिकता और महत्व कभी खत्म नहीं होगा। लोक से रेडियो का रिश्ता मधुर बना रहेगा,ऐसा ही विश्वास है।

क्या है ऐप्सटिन फाइल ?

केशी गुप्ता
द्वारका,नई दिल्ली

ह्यूमन ट्रैफैकिंग से जुड़ा एक बड़ा जाल

आज देश दुनियां में चर्चा का एक ही विषय है जो तुल पकड़े हुआ है। जिसमें विश्व के कई देशों के नेताओं और राजनीति का एक घिनौना चेहरा देखने को मिलता है। ऐप्सटिन फाइल के सामने आने से आज विश्व के

कई देशों के लोग अपने द्वारा चुने हुए नेताओं के चरित्र और राजनीतिक तानेबाने को ले कर निराश है। जिस में से एक भारत है। तथाकथित तथ्यों पर आधारित ऐप्सटिन फाइल जैफरी ऐप्सटिन का एक ऐसा रिकॉर्ड है जो ह्यूमन ट्रैफैकिंग से जुड़ा है। जिसके तहत नाबालिग बच्चों,लड़कियों की तस्करी कर उन्हें राजनेताओं और बड़े बड़े लोगों,उद्योगपतियों के मनोरंज के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसे एक बहुत बड़ा जाल कहा जा सकता है । इस फाइल में उन सभी लोगों के नाम है जो जैफरी ऐप्सटिन से जुड़े रहे । बहुत तरह की तस्वीरें और वीडियो भी इस फाइल का हिस्सा है। ऐसा कहा जा रहा है की इस फाइल के हवाले से राजनेताओं को ब्लैकमेल कर उन पर देश विदेश में हो रही संधियों, समझौतों और अन्य मामलों को लेकर दबाव बनाया जाता रहा है। वैसे चलचित्र के माध्यम से भी अधिकतर राजनीति और राजनेताओं का ऐसा ही चित्रण किया जाता है। जो संपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था के यथार्थ को दर्शाता है । शायद इसीलिए ऐसा कहा जाता है कि कोई भी आपराधिक गतिविधि ताकत के साए में ही पनपती है। बड़ा सवाल ये है कि इस तरह का रिकॉर्ड सामने आने से विश्व भर पर क्या प्रभाव पड़ता है ? जब देश के राजनेता जनता के प्रतिनिधि इस तरह की गतिविधियों में शामिल हो तो वह समाज को कैसे कानूनबद्ध कर सकते है ? एक बड़ा सवाल ये भी है कि अब तक इस फाइल को कैसे और किसके संरक्षण में दबाया गया? इस ऐप्सटिन फाइल को लेकर हो रहे आए दिन नए खुलासों को ले कर क्या कार्यवाही होगी? क्या पाए गए दोषियों को सजा होगी ? क्या किसी भी देश की जनता अपने द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों पर भरोसा रख खुद को सुरक्षित महसूस कर सकेगी? ऐसे अनेकों सवाल आज हर नागरिक के जहन में है। हालांकि इस फाइल को लेकर पक्ष विपक्ष की राजनीति अब भी जारी है ।

एआई के कारण आधुनिक सूचना व्यवस्था ऊंचाई पर

सुभाष बुड़ावन वाला
रतलाम,मध्यप्रदेश

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का तीव्र विस्तार आधुनिक सूचना व्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। आज एआई न केवल डेटा विश्लेषण और स्वचालन का माध्यम बन चुका है, बल्कि यह रचनात्मक अभिव्यक्ति और संचार का भी एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है। हालांकि,तकनीक की यह प्रगति अपने साथ कई जटिल चुनौतियां भी लेकर आई है। डीपफेक वीडियो, बदले हुए ऑडियो और कृत्रिम रूप से तैयार किए गए भ्रामक चित्र अब केवल तकनीकी प्रयोग नहीं रहे,बल्कि वे सामाजिक विश्वास,लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा के लिए संभावित खतरा बनते जा रहे हैं।

दरअसल,सूचना के डिजिटल स्वरूप ने सत्य और असत्य के बीच की रेखा को पहले से अधिक धुंधला कर दिया है। जब कोई नकली वीडियो

वास्तविक प्रतीत होता है या किसी व्यक्ति की आवाज को कृत्रिम रूप से बदलकर प्रस्तुत किया जाता है,तो उसका प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता,यह समाज में अविश्वास और भ्रम की स्थिति पैदा कर सकता है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि तकनीकी विकास के साथ-साथ नियामक व्यवस्था भी उतनी ही मजबूत और दूरदर्शी हो।

इसी आवश्यकता को समझते हुए भारत सरकार ने डिजिटल मध्यस्थों से जुड़े कानूनों और नीतियों को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम, 2021 में किए गए संशोधन इस बात का संकेत हैं कि सरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म की बढ़ती शक्ति के साथ उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित करना चाहती है। अब यह अपेक्षा की जा रही है कि प्लेटफॉर्म अपने मंच पर प्रसारित सामग्री के प्रति अधिक सजग रहें और एआई-जनित या परिवर्तित सामग्री के बारे में उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट जानकारी दें। यह पारदर्शिता न केवल भ्रम को कम करेगी,बल्कि डिजिटल साक्षरता को भी बढ़ावा देगी।

इसके साथ ही हानिकारक और भ्रामक सामग्री पर त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। डिजिटल मध्यस्थों के लिए यह अनिवार्य होता जा रहा है कि वे ऐसी सामग्री की पहचान करने, उसकी निगरानी करने और समयबद्ध तरीके से हटाने के लिए सक्षम तंत्र विकसित करें। यह कदम विशेष रूप से चुनावों की निष्पक्षता,सामाजिक सौहार्द और सार्वजनिक व्यवस्था की रक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। गलत सूचना का अनियंत्रित प्रसार किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

एआई गवर्नेंस से संबंधित नीतिगत पहलें भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती हैं। जिम्मेदार एआई की अवधारणा–जिसमें पारदर्शिता, निष्पक्षता, सुरक्षा और जवाबदेही जैसे तत्व शामिल हैं–यह दर्शाती है कि भारत केवल नियंत्रण की नीति नहीं अपना रहा, बल्कि एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की कोशिश कर रहा है। सरकार का प्रयास है कि उद्योग,स्टार्टअप और शोध संस्थान नवाचार करते समय नैतिक मानकों का पालन करें और तकनीक का उपयोग समाज के व्यापक हित में हो।

फिर दोराहे पर खड़ा बांग्लादेश

ऋषि गुप्ता

बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए आम चुनावों के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी कमर कस चुके थे। चुनावी परिणाम ही नए बांग्लादेश की दिशा निर्धारित करेंगे। इस बार अवामी लीग प्रतिबंध के कारण चुनाव से बाहर है,लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना फिर भी चुनावी विमर्श का प्रमुख मुद्दा बनी हुई हैं। पिछले तीन दशकों में यह पहला अवसर है,जब बांग्लादेश की 'दो बेगमों-अवामी लीग की शेख हसीना और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की खालिदा जिया चुनावी मैदान में नहीं हैं। ऐसे में यह चुनाव नए राजनीतिक समीकरणों के बीच लड़ा जा रहा है। 13 वें संसदीय चुनाव में युवाओं की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि 2024 में जुलाई में शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन और उनके इस्तीफे में यही वर्ग सबसे आगे रहा। वर्तमान में 18-35 आयु वर्ग की आबादी लगभग 30 प्रतिशत है, जो आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया से लैस है और जुलाई आंदोलन का प्रमुख प्रतिनिधि मानी जाती है। सवाल यह है कि क्या यह युवा वर्ग छात्र आंदोलन से उभरी जातीय नागरिक पार्टी यानी नेशनल सिटिजंस पार्टी (एनसीपी) को समर्थन देगा या पारंपरिक दल अपने प्रशासनिक अनुभव और संगठनात्मक मजबूती के बल पर फिर सत्ता में लौटेंगे? लंदन में 17 वर्षों के निर्वासन के बाद खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान ने बीएनपी की कमान संभाली है। पिछले साल 25 दिसंबर को उनकी बांग्लादेश वापसी के दौरान उमड़ी भीड़ से स्पष्ट हुआ कि 2024 के आंदोलन का राजनीतिक लाभ बीएनपी को मिला है और आगामी चुनावों में उससे काफी उम्मीदें हैं। ढाका पहुंचने पर तारिक रहमान ने कहा, 'आइ हैव ए प्लान यानी मेरे पास बांग्लादेश के विकास की योजना है।'
इसी आधार पर पार्टी ने अपने घोषणा पत्र सबसे पहले

राष्ट्रीय बदलाव,सामाजिक समानता,आर्थिक स्थिरता, क्षेत्रीय विकास और धार्मिक सौहार्द जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी है। बांग्लादेश के चुनावी इतिहास में मुद्दों से अधिक पार्टी और नेतृत्व का प्रभाव रहा है और तारिक रहमान ने पिछले डेढ़ वर्षों में इसी दिशा में काम किया है। विदेश में रहते हुए भी वे आनलाइन माध्यम से पार्टी से जुड़े रहे। चुनावी गणित के लिहाज से बीएनपी इस समय एक मजबूत पार्टी मानी जा रही है, जिसे अवामी लीग की अनुपस्थिति का भी लाभ मिल सकता है। हालांकि बीएनपी मजहबी ध्रुवीकरण से बचते हुए अल्पसंख्यक और अवामी लीग समर्थक वोटों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। जमात-ए-इस्लामी पहली बार खुलकर नेतृत्व की राजनीति में सामने आई है। 1971 के मुक्ति आंदोलन में पाकिस्तान का साथ देने के कारण यह संगठन लंबे समय तक विवादों में रहा। शेख हसीना के दो दशकों के शासन में इसके कई नेता जेल में रहे या भूमिगत हो गए थे, लेकिन उनकी सरकार के पतन के बाद जमात फिर सक्रिय हुई और उसका नेतृत्व सामने आया,जिसमें प्रमुख अमीर शफीकुर रहमान शामिल हैं। अवामी लीग की अनुपस्थिति ने जमात को अलग राजनीतिक पहचान दी है और अपने मजहबी आधार के सहारे वह चुनावी मैदान में उतरी है। हालांकि जमात के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उसकी कट्टरपंथी छवि, महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण और संविधान को इस्लामी स्वरूप देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

केंद्रीय बजट 2026-27 पर भाजपा महिला मोर्चा की संवाद बैठक सम्पन्न.....

महिलाओं के उत्थान,आर्थिक सशक्तिकरण और सुरक्षा पर बजट प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
संकल्प भवन भाजपा जिला कार्यालय में केंद्रीय बजट 2026-27 के परिप्रेक्ष्य में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा महिला संवाद बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह एवं वक्ता के रूप में निष्ठा पांडेय उपस्थित रहीं। बैठक में केंद्रीय बजट 2026-27 में महिलाओं के उत्थान, आर्थिक सशक्तिकरण, स्वरोजगार, कौशल विकास एवं सुरक्षा के लिए किए गए प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य वक्ता फुलेश्वरी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह बजट

महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, लघु एवं कुटीर उद्योगों में प्रोत्साहन देने, स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने तथा मातृ-स्वास्थ्य और पोषण संबंधी योजनाओं के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह बजट उसी संकल्प को मजबूत करता है। अध्यक्षीय संबोधन में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 समाज के प्रत्येक वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा की जिम्मेदारी है कि बजट की महत्वपूर्ण जानकारियों को घर-घर तक पहुंचाया जाए, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संवाद और जनजागरूकता अभियान के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। वक्ता निष्ठा पांडेय ने कहा कि यह बजट केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला संकल्प पत्र है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, स्वरोजगार, डिजिटल सशक्तिकरण एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए गए प्रावधान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे समाज की बहनों को इन योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर महापौर मंजूषा भगत, जिला महामंत्री अरुणा सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े, नीलू गुप्ता, प्रियंका चौबे , किरन मिश्रा, शकुंतला पांडेय, सुषमा गुप्ता , पूनम मिश्रा, अल्पना मिश्रा , रीना भारती , अनुराधा गोस्वामी, गुंजन सिंह , कौशलया राजवाड़े , रजनी बिंद, सीमा पैकरा, देवेन्द्र देवी, रातरानी, मीरा बैरागी, नंदनी, बिना दुबे, सीमा उपाध्याय, सुधा शर्मा, बबली नेताम , सीमा कश्यप , हेमलता, गणेश्वरी चौहान, नेहा सोनवानी, बुधमेत, प्रभा यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

रीएजेंट की कमी से बाधित थीं जांच सेवाएं अब नियमित रूप से होंगी सभी जांच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय के हमर लैब अंतर्गत बायोकैमिस्ट्री विभाग में पिछले कुछ महीनों से आवश्यक रीएजेंट की अनुपलब्धता के कारण ओपीडी मरीजों की जांच सुविधाएं प्रभावित हो रही थीं। इस दौरान अस्पताल में भर्ती (आईपीडी) मरीजों की जांच व्यवस्था सुचारु बनी रही,जबकि बाह्य रोगियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। चिकित्सालय प्रबंधन द्वारा आवश्यक रीएजेंट की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। इसके बाद हमर लैब के बायोकैमिस्ट्री विभाग में सभी आवश्यक जांच सेवाएं पुनः नियमित रूप से प्रारंभ कर दी गई हैं। अब अस्पताल में

आने वाले ओपीडी और आईपीडी दोनों प्रकार के मरीजों की जांच सुविधा उपलब्ध रहेगी। जांच सेवाएं शुरू होने से मरीजों को अब जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। समय पर जांच होने से उपचार प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी और त्वरित हो सकेगी। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में रीएजेंट की कमी की स्थिति न बने, इसके लिए नियमित आपूर्ति और स्टॉक मॉनिटरिंग की व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। चिकित्सालय अधीक्षक ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशानुसार मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना संस्थान की प्राथमिकता है। सभी विभागों में सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं।

प्रतिबंधित क्षेत्र से कोयला चोरी, 21 आरोपी गिरफ्तार...

1.5 टन कोयला,19 बाइक व 13 साइकिल जब्त,6 लाख का मशरूका बरामद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमेरा कोयला खदान के प्रतिबंधित क्षेत्र में कोयला चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 1.5 टन कोयला, 13 साइकिल और 19 मोटरसाइकिल सहित करीब 6 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार,डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में थाना लखनपुर पुलिस टीम ने संगठित रूप से की जा रही कोयला चोरी और तस्करी पर सख्ती से कार्रवाई की। जानकारी के मुताबिक,अमेरा ओपन कोयला खदान में ग्रामीणों द्वारा बड़ी संख्या में प्रवेश कर कोयले की चोरी किए जाने की सूचना लगातार मिल रही थी। खदान सुरक्षा कर्मियों द्वारा रोकने पर तस्करों के समर्थन में कुछ लोगों के एकत्र होकर गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू होने की शिकायतें भी सामने आई थीं। थाना लखनपुर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने संगठित रूप से खदान क्षेत्र के आसपास कोयला चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना लखनपुर में बीएनएस की धारा 329(3), 303(2), 112(2) में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपियों में पन्डरू राजवाड़े लटोरी, धनेश्वर राजवाड़े जोधपुर, सपुरन जोधपुर, भींगलराम राजवाड़े जोधपुर, राजेन्द्र प्रसाद जोधपुर,रामदेव गणेशपुर, अनीष राजवाड़े, रजपुरी, सोनसाय, बिनकरा, रजन प्रसाद उर्फ जगेश्वर, जयपुर, सुखसाय, सुखरी, चमरू, सुखरी, चंदलाल, सुखरी, बीरदेव सुखरी, रामकुमार सुखरी, अमरेश सुखरी, मनीजर सुखरी, नीलम सुखरी, फेंकूराम गणेशपुर, अनुज यादव परसोंड़ी, चंद्रभान झाबर, हरेश प्रसाद सोनपुर खुर्द, शामिल है।

अवैध उत्खनन के गड्ढे जेसीबी से पाटे गए : पुलिस ने खदान के आसपास नदियों के मुहानों पर अवैध कोयला उत्खनन के लिए खोदे गए गड्ढों को जेसीबी मशीन से भरवाकर समतल कराया है।

इस कार्रवाई में एसडीओपी ग्रामीण तुल सिंह पट्टावी, थाना प्रभारी लखनपुर संपत पोटाई सहित थाना स्टाफ की भूमिका प्रमुख रही।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में 'माई भारत बजट क्वेस्ट 2026' के प्रथम चरण का सफल आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
भारत सरकार,युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (युवा कार्यक्रम विभाग) के तत्वाधान में आज 'माई भारत पोर्टल' के अंतर्गत भारत बजट क्विज 2026 के प्रथम चरण की प्रदेश स्तरीय ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। लोकभवन, रायपुर द्वारा संचालित इस बैठक में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अंबिकापुर के छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज की।

विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'माई भारत' पोर्टल युवाओं को राष्ट्र के आर्थिक विमर्श और नीति निर्माण की प्रक्रियाओं से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य एवं चरणः बजट 2026 क्वेस्ट का मुख्य उद्देश्य युवाओं की भागीदारी के माध्यम से केंद्रीय बजट और नागरिकों के दैनिक जीवन के बीच के अंतर को कम करना है। यह प्रतियोगिता तीन मुख्य चरणों में संपन्न होगीः प्रथम चरण (ऑनलाइन क्विज): आज के सत्र में बजट प्रावधानों की बुनियादी जागरूकता पर आधारित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने इसमें पंजीकरण कर सर्टिफिकेट प्राप्त किए। द्वितीय चरण (निबंध प्रतियोगिता): प्रथम चरण में चयनित छात्र-छात्राएं राज्य और केंद्र स्तर पर निबंध प्रतियोगिता में भाग लेंगे। तृतीय चरण (आभासी संवाद): अंतिम विजेताओं को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ सीधे संवाद (आभासी बातचीत) करने का गौरवशाली अवसर प्राप्त होगा।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सफल पंजीयन और युवाओं के भविष्य में सक्रिय भागीदारी के संकल्प के साथ हुआ।

निजी स्कूलों पर सख्तीः मनमानी फीस वसूली और महंगी किताबों पर होगी कार्रवाई

डीईओ ने जारी किए कड़े निर्देश,मान्यता रद्द करने तक की चेतावनी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
जिले के निजी विद्यालयों में मनमानी फीस वसूली, अवैध शुल्क लेने और एनसीईआरटी/एससीईआरटी के अलावा महंगी निजी प्रकाशकों की किताबें लागू करने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश झा द्वारा 11 फरवरी को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर विद्यालयों की मान्यता समाप्त करने तक की कार्रवाई की जाएगी। आरटीई अधिनियम के तहत प्रत्येक निजी विद्यालय में न्यूनतम 16 सदस्यीय स्कूल प्रबंधन समिति का गठन अनिवार्य किया गया है। समिति द्वारा अनुमोदित शुल्क ही विद्यार्थियों से लिया जा सकेगा। बिना अनुमति फीस बढ़ाने या

अवैध मदों में शुल्क वसूलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। शुल्क निर्धारण के बाद उसकी प्रति सूचना पटल पर चस्पा करना और कार्यालय में प्रस्तुत करना भी जरूरी होगा। आरटीई अधिनियम की धारा 13(1) के तहत प्रवेश के समय कैपिटेशन फीस लेना प्रतिबंधित है। जिला शिक्षा अधिकारी ने 12 निर्धारित मदों के अलावा किसी भी प्रकार का शुल्क लेने पर रोक लगाई है। इनमें शिक्षण शुल्क, विज्ञान, खेल, परीक्षा, पुस्तकालय, क्रियाकलाप, बस किराया, निधि, शाला विकास, स्वास्थ्य बीमा और बागवानी शुल्क शामिल हैं। इसके अलावा कंप्यूटर शुल्क, बिजली-पानी शुल्क, स्मार्ट क्लास शुल्क, वार्षिकोत्सव शुल्क, नए सत्र शुल्क आदि को अवैध बताया गया है।

आदेश में कहा गया है कि निजी विद्यालय किसी विशेष दुकान से किताब, कॉपी, यूनिफॉर्म या अन्य सामग्री खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव नहीं बना सकते। विद्यालयों को कक्षा अनुसार पुस्तक सूची, प्रकाशक का नाम, यूनिफॉर्म और अन्य जानकारी सूचना पटल पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। 24 नवंबर 2025 की बैठक की कार्यवाही में स्पष्ट किया गया है कि सभी निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी/एससीईआरटी की पुस्तकों का ही उपयोग किया जाएगा। महंगी निजी प्रकाशकों की किताबें अनिवार्य करने पर रोक लगाई गई है। दोबारा शिकायत मिलने पर एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए मान्यता समाप्त करने की चेतावनी दी गई है। आरटीई प्रावधानों के तहत प्रारंभिक कक्षाओं में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों को निःशुल्क प्रवेश देना अनिवार्य बताया गया है।

मूलभूत सुविधाएं जरूरी

डीईओ ने कहा है कि विद्यालयों में पृथक शौचालय, स्वच्छ पेयजल, खेल मैदान, अग्निशमन यंत्र और सीसीटीवी जैसी सुविधाएं अनिवार्य हैं। कमी पाए जाने पर मान्यता रद्द की जा सकती है।

परिवहन, सुरक्षा और अपार आईडी पर निर्देश

स्कूल बस चालकों का पुलिस सत्यापन, परिसर सुरक्षा, नशामुक्ति अभियान, महिला उत्पीडन् रोकथाम अधिनियम के तहत समिति गठन तथा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके साथ ही अपार आईडी का कार्य तीन दिवस में पूर्ण करने को कहा गया है। निर्देशों का पालन नहीं करने वाले विद्यालयों पर एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए मान्यता समाप्त की जाएगी। सभी निजी विद्यालयों को आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

तीन दिवसीय जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का हुआ समापन,कृषि मंत्री रामविचार नेताम हुए शामिल

खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम बनी सरगुजा ओलंपिक : मंत्री नेताम

-संवाददाता-
बलरामपुर,12 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का समापन समारोह आदिम जाति विकास तथा कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय के खेल मैदान में संपन्न हुआ। 10 से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय इस खेल महोत्सव ने ग्रामीण और शहरी अंचलों की प्रतिभाओं को एक साझा मंच प्रदान किया। मंत्री श्री नेताम ने स्वयं खेल मैदान में जाकर खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने शंकरगढ़ एवं बलरामपुर के मध्य हो रहे बालिका रसाकस्सी प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाया। इस दौरान तीरंदाजी प्रतियोगिता का अवलोकन करते हुए स्वयं भी तीरंदाजी में हाथ आजमाकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। साथ ही जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को मंत्री रामविचार नेताम ने शील्ड एवं मेडल देकर सम्मानित किया। समापन समारोह में पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य कृष्णा गुप्ता, रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, नगरपालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का, उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष भानूप्रकाश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, वनमण्डलाधिकारी आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत सीइओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर,

अपर कलेक्टर व बलरामपुर एसडीएम श्री अभिषेक गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी एम.आर. यादव, जिला खेल अधिकारी मारकूस कुजूर, संबंधित अधिकारीगण एवं खिलाड़ी तथा आमनागरिक मौजूद थे। जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक समापन समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री रामविचार नेताम ने संबोधित करते हुए कहा कि विकासखंड से लेकर जिला स्तर तक सरगुजा ओलंपिक का बेहतर और व्यवस्थित आयोजन किया गया है। यह पहल खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम बनी है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से विशेष रूप से आदिवासी अंचल के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का अवसर मिला है। उन्होंने चयनित सभी खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास कर संभाग एवं राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए शुभकामनाएं दी। कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने कहा कि तीन दिवसीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। जिला स्तरीय आयोजन से पूर्व विकासखंड स्तर पर भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी, जहां बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया। चयनित खिलाड़ियों ने जिला स्तर पर तीन दिनों तक उत्कृष्ट खेल कौशल और दमखम का प्रदर्शन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में उच्च स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जिले का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

गौरतलब है कि शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में सरगुजा ओलंपिक का सफल आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय ओलंपिक में खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय ओलंपिक में कुल 12 खेल विधाओं का आयोजन किया गया, जिसमें व्यक्तिगत खेलों के अंतर्गत एथलेटिक्स (100, 200, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, 400 मीटर रिले), तीरंदाजी (इंडियन राउंड), बैडमिंटन, कुश्ती एवं कराटे तथा दलीय खेलों में फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी और बास्केटबॉल शामिल रहे। प्रतियोगिताएं जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष, बालक/बालिका) एवं सीनियर वर्ग (18 वर्ष से अधिक, महिला/पुरुष) में आयोजित की गई। जिले भर से पंजीकृत 67,380 प्रतिभागियों ने इस खेल उत्सव में भाग लिया।

13 से 15 फरवरी तक आयोजित होगा मैनपाट महोत्सव

मुख्यमंत्री साय करेंगे मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ

सांस्कृतिक गीत संगीत से सजेगा छत्तीसगढ़ का शिमला... आमंत्रित एवं स्थानीय कलाकार देंगे मनमोहक प्रस्तुतियां

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
सरगुजा जिले के मैनपाट स्थित रोपाखार जलाशय के समीप 13 से से 15 फरवरी तक तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य तथा पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में होगा। जिसका उद्देश्य मैनपाट को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना और स्थानीय लोककला एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।

महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक, गीत संगीत से सजेगा छत्तीसगढ़ का शिमला आमंत्रित और स्थानीय कलाकारों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ होंगी। पहले दिन 13 फरवरी को भोजपुरी गायक मनोज तिवारी, छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी तथा ओडिशा के हरिपद मोहंता द्वारा छऊ नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। दूसरे दिन 14 फरवरी को छत्तीसगढ़ी गायिका अलका चंद्राकर, इंडियन आइडल एवं सारेगामापा फेम वैशाली रायकवार, गायक स्वप्नील जायसवाल सहित स्थानीय कलाकार मंच संभालेंगे। अंतिम दिन 15 फरवरी को प्रसिद्ध बॉलीवुड गायिका कनिका कपूर, रायगढ़ घराने की कथक नृत्यांगना ज्योतिश्री वैष्णव और छत्तीसगढ़ी गायक आयुष नामदेव अपनी प्रस्तुतियों से समा बाँधेंगे। इसके साथ ही स्कूली बच्चों द्वारा भी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

मेला,फूड जोन,बोटिंग रहेंगे मुख्य आकर्षण, फैंसी पतंग उत्सव एवं दंगल प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां भी होंगी आयोजित-महोत्सव के दौरान ओपन कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन होगा। महोत्सव स्थल पर विशाल मेला लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा, वहीं फूड जोन की भी उत्तम व्यवस्था होगी। इस दौरान रोपाखार जलाशय में बोटिंग की भी व्यवस्था

की गई है। वहीं इस दौरान फैंसी पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाएगा।

विभागीय स्टॉल में दिखेगी विकास की झलक-कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित विभागीय स्टॉल भी लगाए जाएंगे। जिसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, वन विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, जेल विभाग, रेशम विभाग, समाज कल्याण विभाग, हस्तशिल्प विकास बोर्ड, स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल शामिल है।

सूरजपुर कांग्रेस में 'पद वितरण' बना 'इस्तीफा वितरण': तीन दिन में बिखरी नई टीम,संगठन नहीं सियासी अखाड़ा बना जिला इकाई

सूरजपुर कांग्रेस में पद मिले,पर कुर्सियाँ खाली-विस्तार सूची बनी इस्तीफा सूची

- नई टीम बनी नहीं,पहले ही टूट गई – इस्तीफों से हिली सूरजपुर कांग्रेस
- कांग्रेस में कुर्सी कम,नाराजगी ज्यादाः एक के बाद एक नेताओं ने छोड़े पद
- विस्तार से ज्यादा बिखरावः सूरजपुर कांग्रेस में इस्तीफा महोत्सव शुरू
- नियुक्ति पत्र सूखे नहीं,इस्तीफा तैयार – जिला कांग्रेस में खुली गुटबाजी
- संगठन विस्तार या असंतोष विस्तार? सूरजपुर कांग्रेस में घमासान
- पद वितरण के बाद विद्रोहः सूरजपुर कांग्रेस में अंदरूनी जंग तेज
- नई सूची आई और बगावत छाई – कांग्रेस में जुड़ाव नहीं, टूटन की कहानी
- कांग्रेस की नई टीम तीन दिन में धराशायी, इस्तीफों से मचा सियासी भूचाल
- तीन दिन की नियुक्ति, चौथे दिन बगावतः सूरजपुर कांग्रेस में संगठन नहीं 'संग्राम

घटती घटना
सरगुजा,सूरजपुर कोरिया समाचार
अम्बिकापुर, बुधवार 11 फरवरी 2026
4
सुरजपुर कांग्रेस की कार्यकारिणी या पदों का महाकुंभ?
अध्यक्ष-कोषाध्यक्ष छोड़ बाकी पर लंबी कतार
एक अध्यक्ष, एक कोषाध्यक्ष...बाकी पदों पर भीड़-नई सूची ने बढ़ाई सियासी हलचल
- 51 सचिव,37 संयुक्त सचिव...संगठन विस्तार या रेवड़ी वितरण?
- कार्यकारिणी कम,नामों की परेड ज्यादा-नई सूची पर उठे सवाल...
- उद्योगपति बने कोषाध्यक्ष,क्या चुनावी तैयारी का संकेत?
- नई टीम,नई रणनीति-संगठन मजबूत या आर्थिक गणित?
- 51 सचिव, 37 संयुक्त सचिव, 24 स्थायी और 28 विशेष आमंत्रित सदस्य... नामों की बाढ़ जैसी सूची के चर्चे

-संवाददाता-
सूरजपुर,12 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर की नई विस्तार सूची शायद संगठन को मजबूत करने के इरादे से जारी की गई थी, लेकिन नतीजा ऐसा निकला कि नियुक्ति पत्रों से ज्यादा इस्तीफा पत्र चर्चा में आ गए। महज तीन-चार दिन के भीतर जिस तेजी से पदाधिकारियों ने त्यागपत्र देना शुरू किया, उसने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सूरजपुर कांग्रेस संगठन बना रही है या खुद को धीरे-धीरे तोड़ने की तैयारी में है। राजनीतिक गलियारों में अब तंज कसा जा रहा है कि यहां पदों का वितरण कम और असंतोष का वितरण ज्यादा हुआ है। नियुक्ति के साथ ही बगावत की शुरुआत ने कांग्रेस की जिला इकाई की अंदरूनी हालत को खुली किताब बना दिया है।

नामजद इस्तीफों की लंबी सूची,नेतृत्व पर सीधा सवाल

नई सूची के बाद जिन नेताओं ने इस्तीफा दिया उनमें संयुक्त महामंत्री शिवनारायण गुप्ता, गोरखनाथ पाठक, राजेंद्र प्रसाद गुर्जर,जिला उपाध्यक्ष ऊषा सिंह,सचिव पुष्पेंद्र सिंह,कार्यकारिणी सदस्य सरोज माणिकपुरी के साथ अब महामंत्री बिजेंद्र गोयल,सचिव पवन दीवान, संयुक्त महामंत्री सरिता सिंह और कार्यकारिणी सदस्य भावना सिंह भी शामिल हो गए हैं,इतने बड़े पैमाने पर इस्तीफों ने यह साफ कर दिया है कि मामला केवल व्यक्तिगत नाराजगी का नहीं,बल्कि संगठनात्मक असंतोष का विस्फोट है। दिलचस्प बात यह है कि सभी इस्तीफे कांग्रेस के आधिकारिक लेटर पैड पर दिए गए हैं – यानी पार्टी अपनी है, पर पार्टी की बनाई टीम मंजूर नहीं।

तीन दिन की राजनीति और चौथे दिन विदाई!

सूरजपुर कांग्रेस की यह स्थिति अब मजाक का विषय बनती जा रही है। राजनीतिक पर्यवेक्षक चुटकी लेते हुए कह रहे हैं कि यहां पद की वैधता मोबाइल के डेटा पैक से भी कम हो गई है – तीन दिन में खत्म,सूची जारी होते ही जिस तरह इस्तीफों का सिलसिला शुरू हुआ, उसने यह साबित कर दिया कि संगठन विस्तार से पहले संवाद और संतुलन पर शायद गंभीरता से विचार ही नहीं किया गया।

ऊषा सिंह का इस्तीफा बना सबसे बड़ा सियासी संकेत

जिला उपाध्यक्ष बनाई गई ऊषा सिंह का इस्तीफा खासा चर्चा में है। मजबूत राजनीतिक पृष्ठभूमि और प्रभावशाली पहचान रखने वाली नेता का इतने कम समय में पद छोड़ देना यह बताता है कि अंदरखाने कुछ बड़ा असंतोष जरूर पनप रहा था,सियासी हलकों में यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि प्रभावशाली नेता ही नई टीम से संतुष्ट नहीं हैं, तो आम कार्यकर्ताओं का मनोबल किस हाल में होगा।

संगठन या गुटबाजी का मंच?

सूरजपुर जैसे जिले में, जहां सामाजिक समीकरण और पारिवारिक राजनीति का प्रभाव ज्यादा है, वहां इस तरह की खुली खींचतान कांग्रेस के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जिस समय संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की जरूरत है, उस समय जिला स्तर पर ही दरारें नजर आना भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। स्थानीय लोग अब यह कहने लगे हैं कि कांग्रेस यहां संगठन कम और गुटों का संतुलन ज्यादा साध रही है – और संतुलन बिगड़ते ही कुर्सियां खाली हो रही हैं।

स्वास्थ्य कारण या संगठनात्मक 'सियासी बुखार'?

कुछ इस्तीफों में स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया गया है, लेकिन जब एक साथ इतने नेता अचानक बीमार पड़ जाएं तो लोग इसे राजनीतिक बुखार ही कह रहे हैं,स्थानीय कार्यकर्ता व्यंग्य में कह रहे हैं कि सूरजपुर कांग्रेस में अब डॉक्टर से ज्यादा रणनीतिकारों की जरूरत है।

जिलाध्यक्ष के नेतृत्व पर उठते कड़े सवाल

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री शशि सिंह के नेतृत्व को लेकर भी अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। आरोप लग रहे हैं कि निर्णय प्रक्रिया सीमित दायरे में सिमट गई है और कई वरिष्ठ नेताओं को अपेक्षित महत्व नहीं मिला, हालांकि आधिकारिक तौर पर कोई खुला बयान नहीं आया है, लेकिन इस्तीफों की लंबी कतार ने नेतृत्व की कार्यशैली पर बड़ा प्रश्नचिह्न जरूर लगा दिया है।

विपक्ष के लिए खुला मौका?

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा फायदा विपक्षी दलों को मिलता दिख रहा है, जब कांग्रेस अपने ही घर को संभालने में उलझी हो, तो राजनीतिक मैदान में विपक्ष के लिए रास्ता आसान हो जाता है, सियासी जानकारों का कहना है कि अगर जल्द ही असंतुष्ट नेताओं को मनाने और संगठनात्मक संवाद बढ़ाने की कोशिश नहीं हुई, तो यह बिखराव आगे और गहराने वाला है।

प्रदेश नेतृत्व की अग्निपरीक्षा

अब निगाहें प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व पर टिक गई हैं, सवाल यह है कि क्या शीर्ष नेतृत्व इस घटनाक्रम को गंभीरता से लेकर जिला संगठन में सुधार की पहल करेगा, या फिर सूरजपुर कांग्रेस यूं ही इस्तीफों की सुर्खियों में बनी रहेगी? फिलहाल इतना जरूर तय है कि ये इस्तीफे सिर्फ पद छोड़ने की खबर नहीं हैं,बल्कि सूरजपुर कांग्रेस के भीतर चल रही सियासी खींचतान का खुला प्रदर्शन हैं – जहां संगठन विस्तार से ज्यादा असंतोष का विस्तार दिखाई दे रहा है और एकजुटता फिलहाल दूर की कौड़ी बन चुकी है।

नेपाल बॉर्डर से दबोचे गए फर्जी 'थाना प्रभारी'

सूरजपुर पुलिस ने 75 हजार की ठगी के दो आरोपी पकड़े

-संवाददाता-
सूरजपुर,12 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
पुलिस अधिकारी बनकर लोगों को झांसा देकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो आरोपियों को सूरजपुर पुलिस ने उत्तरप्रदेश के बहराइच (नेपाल बॉर्डर) से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों ने खुद को थाना प्रभारी और जेल अधीक्षक बताकर एक व्यक्ति से उसके बेटे का नाम केस से हटवाने के नाम पर 75 हजार रुपये ठग लिए थे।

फोन पर खुद को अधिकारी बताकर रची साजिश

ग्राम सिरसी निवासी चिंतामणी बंजारे (45 वर्ष) ने चौकी बसदेई में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पुत्र अनिल बंजारे के खिलाफ थाना गांधीनगर में धारा 22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है और वह जेल में निरुद्ध है, इसी दौरान अज्ञात मोबाइल धारकों ने खुद को थाना प्रभारी और जेल अधीक्षक बताकर केस से नाम हटवाने का झांसा दिया और फोन-पे के माध्यम से 75 हजार रुपये ले लिए, जांच में मामला धारा

318(4) बीएनएस के तहत अपराध पाए जाने पर 13 सितंबर 2025 को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 497/25 दर्ज किया गया।

तकनीकी जांच से यूपी तक पहुंची पुलिस–मामले की जानकारी मिलते ही डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए, आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा के मार्गदर्शन में चौकी बसदेई पुलिस की टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उत्तरप्रदेश रवाना किया गया, काफी पतासाजी के बाद पुलिस टीम ने जिला बहराइच (नेपाल बॉर्डर के पास) में दबिश देकर आरोपी इमरान (22 वर्ष) और मोहम्मद आलम (29 वर्ष) निवासी पेटरहा, थाना मोतीपुर, जिला बहराइच उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया।

ठगी की रकम गूगल-पे में डलवाई, सामान बरामद–पूछताछ में आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर फोन पर झांसा देकर 75 हजार रुपये गूगल-पे के माध्यम से ठगने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 मोबाइल फोन,8 सिम कार्ड,3 बैंक पासबुक,1 एटीएम कार्ड,1 चेकबुक जप्त किया है।

टीम की अहम भूमिका

इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन और एसडीओपी अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल सहित आरक्षक देवदत्त दुबे,नीलेश जायसवाल,युवराज यादव,रौशन सिंह, अशोक केंवट, राकेश सिंह,रामकुमार,आदित्य यादव,अशोक सिंह,भुनेश्वर सिंह एवं सैनिक अनिल विश्वकर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कोयला ट्राला की चपेट में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत,घायल दोस्त को अस्पताल ले जाते समय हुआ हादसा

-संवाददाता-
सूरजपुर/ जरही,11 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
घायल दोस्त को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे तीन युवकों की बाइक को कोयला लोड ट्राला ने टक्कर मार दी, हादसे में एक युवक ट्राला के पहिए के नीचे आकर कुचल गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया और कोयला वाहनों की तेज रफ्तार पर नाराजगी जताई।

घायल दोस्त को अस्पताल ले जाते समय हुआ हादसा–भटगांव थाना क्षेत्र के ग्राम मायापुर द्वितीय निवासी ननकू (29 वर्ष) पारिवारिक विवाद के दौरान मारपीट में गंभीर रूप से घायल हो गया था, उसकी हालत बिगड़ने पर गांव के ही संतोष और गदे राम उसे बाइक से सोनगरा अस्पताल ले जा रहे थे। बाइक

क्रमांक सीजी 15 डीएम 1871 संतोष चला रहा था और तीनों युवक घायल की जान बचाने की जल्दबाजी में तेज गति से अस्पताल की ओर बढ़ रहे थे।

कोयला लोड ट्राला ने मारी टक्कर– स्टेट हाईवे पर सामने चल रहे कोयला लोड ट्राला क्रमांक सीजी 15 ईएच 8375 ने अचानक बाइक को टक्कर मार दी,टक्कर इतनी जोरदार थी कि पीछे बैठे गदे राम ट्राला के पिछले पहिए की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई, हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

दो युवक गंभीर,जिला अस्पताल रेफर–दुर्घटना में घायल ननकू और संतोष को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल सोनगरा अस्पताल पहुंचाया गया,प्राथमिक उपचार के बाद ननकू की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है, जबकि संतोष को भी चोटें आई हैं।

सड़क पर उतरे ग्रामीण, लगाया जाम–जैसे ही युवक की मौत की खबर गांव पहुंची,शोक की लहर दौड़ गई,बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर उतर आए और जाम लगाकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर कोयला वाहनों की बेलगाम रफ्तार और ट्रैफिक नियंत्रण की कमी के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही।

कोयला ट्रांसपोर्ट बना खतरा? ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की तेज गति, ओवरलोडिंग और लापरवाही के कारण यह मार्ग हादसों का केंद्र बनता जा रहा है।

कथा के मंच पर 'पूर्व' और 'वर्तमान' आमने-सामने,तस्वीर ने खोल दी राजनीति की कहानी

कुर्सी बदली,मुस्कान वही...सोनहत की कथा में दिखा राजनीति का फ्रेम...शिवमहापुराण कथा में सत्ता का संगम...एक तस्वीर और कई संकेत

- भक्ति के मंच पर राजनीति की झलक, सोशल मीडिया पर छाया 'पद का फर्क'
- आज की मंत्री,कल की मंत्री...सोनहत की तस्वीर बनी चर्चा का विषय
- कथा से ज्यादा तस्वीर की चर्चा, राजनीति के उतार-चढ़ाव का आईना
- राजनीति का चक्र और कथा का मंच-कुर्सियां बदलीं,कैमरा वही रहा
- फ्रेम में भक्ति कम,राजनीति ज्यादा सोनहत की तस्वीर वायरल
- कल की कमान,आज की जिम्मेदारी...एक तस्वीर में दो दौर
- कथा सुनने पहुंचे नेता,चर्चा में आ गई कुर्सी की कहानी
- सत्ता की सीढ़ियां और मुस्कान की तस्वीर–सोनहत बना सियासी मंच
- राजनीति का 'पहले और अब' - कथा स्थल से निकली बड़ी तस्वीर

-संवाददाता-
कोरिया/सोनहत,12 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले के सोनहत में आयोजित शिवमहापुराण कथा कार्यक्रम की एक तस्वीर इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है,यह तस्वीर इसलिए खास मानी जा रही है क्योंकि इसमें महिला एवं बाल विकास विभाग की पूर्व और वर्तमान मंत्री एक ही मंच पर दिखाई दे रही हैं,धार्मिक आयोजन के बीच यह राजनीतिक उपस्थिति लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई और सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गई।

बताया जा रहा है कि सोनहत में चल रही शिवमहापुराण कथा के दौरान कार्यक्रम की गरिमा उस समय और बढ़ गई जब प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े कथा स्थल पहुंचीं, उनके आगमन पर आयोजकों और श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। कथा स्थल पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और नेताओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को धार्मिक के साथ-साथ राजनीतिक दृष्टि से भी चर्चा में ला दिया। धार्मिक आयोजनों में भक्ति, भजन और प्रवचन की चर्चा होना आम बात है, लेकिन सोनहत में आयोजित शिवमहापुराण कथा इस बार एक तस्वीर की वजह से ज्यादा चर्चित हो गई, मंच वही था, कथा वही थी, श्रोताओं की भीड़ भी वैसी ही... बस फर्क इतना था कि फ्रेम में राजनीति के 'कल' और 'आज' एक साथ नजर आ गए, कहते हैं राजनीति

में कोई भी तस्वीर सिर्फ तस्वीर नहीं होती, वह संदेश भी होती है। कथा स्थल पर जब प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े पहुंचीं, तो कार्यक्रम की गरिमा बढ़ना स्वाभाविक था। लेकिन चर्चा तब और तेज हो गई जब उसी मंच पर पूर्व मंत्री रेणुका सिंह भी दिखाई दीं, फिर क्या था – सोशल मीडिया ने इसे भक्ति से ज्यादा राजनीति के चश्मे से देखना शुरू कर दिया।

कुर्सी का चक्र और राजनीति का कैलेंडर–राजनीति का कैलेंडर बड़ा दिलचस्प होता है। कभी मंत्री का बोर्ड गाड़ी के आगे लगता है,कभी विधायक का। कभी दिल्ली की गलियों में पहचान बनती है, तो कभी क्षेत्रीय मंचों पर फिर से जनता के बीच मुस्कुराना पड़ता है,रेणुका सिंह का सफर भी कुछ ऐसा ही रहा – राज्य की मंत्री,फिर संसद की सदस्य, केंद्रीय राज्यमंत्री और अब फिर विधानसभा की राजनीति। राजनीति में यह उतार-चढ़ाव नया नहीं, लेकिन एक ही फ्रेम में 'पूर्व' और 'वर्तमान' दिख जाएं तो व्याख्याएं अपने-आप जन्म ले लेती हैं।

तस्वीर की भाषा और राजनीतिक संकेत–तस्वीर में मुस्कानें बराबर थीं, लेकिन पद अलग-अलग दौर के थे। कुछ लोग इसे अनुभव और नए नेतृत्व का संगम बता रहे हैं, तो कुछ इसे सत्ता की अस्थायी प्रकृति का उदाहरण मान रहे हैं,राजनीतिक गलियारों में हल्की-फुल्की टिप्पणी भी सुनाई दी – 'राजनीति में फोटो वही रहती है,बस नाम के आगे लिखा पद बदलता रहता है।' धार्मिक मंच पर यह दृश्य उस सच्चाई की याद दिलाता है कि राजनीति में स्थायी कुछ नहीं होता। आज जो 'माननीय मंत्री' है, वह कल 'पूर्व मंत्री' भी हो सकता है... और राजनीति का पहिया फिर घूम जाए तो कहानी उलटी भी हो सकती है।

भक्ति और रणनीति का संगम? धार्मिक आयोजनों में नेताओं की मौजूदगी नई बात नहीं है। जनता के बीच बने रहने का यह एक सहज मंच भी होता है। लेकिन जब दो पीढ़ियों का नेतृत्व एक साथ दिख जाए, तो सवाल भी उठते हैं – क्या यह सिर्फ श्रद्धा थी या राजनीतिक संकेतों का शांत संदेश? विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे मंचों पर मुस्कुराहटें अक्सर भविष्य की संभावनाओं की झलक भी होती हैं। हालांकि,यह भी सच है कि हर मुलाकात को राजनीति का चश्मा पहनाकर देखना जरूरी नहीं।

राजनीति का सच : पद बदलता है,पहचान नहीं

लोकतंत्र में कुर्सी स्थायी नहीं होती, लेकिन सक्रियता ही नेता की पहचान बनाती है। सोनहत की यह तस्वीर शायद उसी सच्चाई का प्रतीक बन गई है – जहां एक तरफ वर्तमान जिम्मेदारी है, तो दूसरी तरफ अनुभव का लंबा सफर, राजनीति में उत्थान और पदावनती को लेकर जितनी बातें होती हैं, उतना ही यह भी याद रखना जरूरी है कि लोकतंत्र में हर दौर अस्थायी है और हर तस्वीर इतिहास का एक छोटा सा पन्ना।

आखिरी लाइन (कॉलम का तंज)

कथा में शिवपुराण की कहानी चल रही थी, लेकिन मंच पर खड़ी तस्वीर ने राजनीति का पुराण भी याद दिला दिया–यहां कुर्सियां बदलती रहती हैं,बस कैमरे की फ्लैश और मुस्कानें हमेशा एक जैसी रहती हैं।

पटना में चोरों का 'स्वागत संदेश'

नए थाना प्रभारी के आते ही मुख्य मार्ग पर डकैती जैसी चोरी,एक ही रात दो दुकानों के टूटे ताले

'ताले टूटे,भरोसा भी'...नए थाना प्रभारी के आते ही पटना में चोरों की 'नाइट शिफ्ट', एक रात में दो वारदातों से हिली सुरक्षा व्यवस्था...

नए थाना प्रभारी के प्रभार संभालते ही मुख्य मार्ग पर चोरी...शाही डेली नीड्स का ताला टूटा,पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल...

-संवाददाता-

कोरिया,पटना,12 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के पटना थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं,हाल ही में पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी तबादला सूची के बाद जहां नए थाना प्रभारी ने पदभार ग्रहण किया,वहीं उनके कार्यभार संभालते ही चोरों ने राष्ट्रीय राज्यमार्ग से लगी एक दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम देकर पुलिस व्यवस्था को खुली चुनौती दे दी, 11 फरवरी की देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने स्थित शाही डेली नीड्स नामक दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर नकदी और सामान लेकर फरार हो गए।

एक ही रात दो दुकानों के ताले टूटे...
अस्पताल के सामने मुख्य मार्ग पर चोरी
सीसीटीवी तार काटकर वारदात...
व्यापारियों में दहशत,गश्त पर सवाल...

बता दे की नए थाना प्रभारी के पदभार ग्रहण करते ही पटना नगर में चोरों ने मानो स्वागत कार्यक्रम आयोजित कर दिया, फर्क सिर्फ इतना रहा कि यहां फूल-मालाओं की जगह लोहे की रॉड और ताले तोड़ने की आवाजें गूंजीं। राष्ट्रीय राज्यमार्ग से सटे सबसे व्यस्त इलाके में स्थित शाही डेली नीड्स का ताला तोड़कर नकदी और सामान पार कर दिया गया। इतना ही नहीं,उसी रात पाण्डवपारा मेन रोड स्थित एक सैलून को भी चोरों ने निशाना बना डाला, लगातार दो वारदातों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है – क्या चोरों के हौसले बुलंद हैं या पुलिस गश्त महज कागजी दावों तक सीमित है?

अस्पताल के सामने ही असुरक्षित बाजार

घटना स्थल कोई सुनसान गली नहीं,बल्कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने का इलाका है,यहां दिन-रात लोगों की आवाजाही रहती है। राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर वाहनों का शोर और अस्पताल में मरीजों की हलचल के बीच चोरी की घटना होना खुद में गंभीर सवाल खड़े करता है,व्यापारियों का कहना है–अगर अस्पताल के सामने की दुकान सुरक्षित नहीं,तो बाकी शहर भगवान भरोसे है।

पहले कैमरा बंद,फिर ताला ध्वस्त...

सूत्रों के अनुसार चोर पूरी तैयारी के साथ आए थे। सबसे पहले दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का तार काटा गया,ताकि पहचान न हो सके। आसपास लगे कैमरों में मुंह ढंके एक युवक के हाथ में रॉड लिए घूमने की तस्वीर सामने आई है,यह साफ संकेत देता है कि चोरी अचानक नहीं, बल्कि पूरी प्लानिंग के साथ की गई।

मेडिकल दुकान भी थी निशाने पर...

शाही डेली नीड्स के बगल में स्थित मेडिकल दुकान को भी चोरों ने टारगेट किया। वहां लगे कैमरे को बंद करने की कोशिश हुई,लेकिन सफल नहीं हो पाए,नतीजतन वहां वारदात नहीं हो सकी। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोर इलाके की रेकी पहले ही कर चुके थे।

पाण्डवपारा में सैलून से नगदी पार...

एक ही रात में दूसरी घटना पाण्डवपारा मेन रोड पर हुई,जहां एक सैलून का ताला तोड़कर नगद और सामान लेकर चोर फरार हो गए। लगातार दो घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह कोई इक्का-दुक्का वारदात नहीं,बल्कि सिलसिलेवार सक्रियता का संकेत है।

व्यापारियों का फूटा गुस्सा

नगर के व्यापारियों में डर और आक्रोश दोनों है। उनका कहना है कि पुलिस नियमित गश्त का दावा करती है,लेकिन चोरों की यह बेखौफ हरकत उन दावों पर सवालिया निशान लगा रही है,कई व्यापारियों ने मांग की है कि रात्रि गश्त बढ़ाई जाए,संदिग्ध तत्वों की निगरानी हो, बाजार क्षेत्र में स्थायी पुलिस पिकेट लगाया जाए।

क्या यह नए प्रभारी को खुली चुनौती?

नगर में यह चर्चा जोरों पर है कि नए थाना प्रभारी के आते ही चोरों ने वारदात कर अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी, व्यस्ततम इलाके का चयन कर ताले तोड़ना कहीं न कहीं पुलिस तंत्र को सीधी चुनौती माना जा रहा है।

पहले भी सुर्खियों में रहा क्षेत्र

पटना क्षेत्र पहले से कोयला चोरी और ताला तोड़कर चोरी की घटनाओं को लेकर चर्चित रहा है। कई मामलों में आज तक ठोस खुलासा नहीं हो पाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सख्ती नहीं हुई तो क्षेत्र चोरों के लिए सुरक्षित अड्डा बन सकता है।

अब क्या करेंगे नए थाना प्रभारी?

नए प्रभारी के सामने यह पहली बड़ी परीक्षा है,चोरी की इन घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी करना अब उनकी कार्यशैली की पहली कसौटी मानी जा रही है, फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की जा रही है और टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

प्रशासन की नाक के नीचे केवई नदी का सीना छलनी, नियमों को ताक पर रख मशीनों से रेत का अवैध खेल

-संवाददाता-

एमसीबी,पटना,12 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। नियम किताबों में बंद हैं और मशीनें नदी की छाती पर चल रही हैं, केवई नदी के बिछियाटोला क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन का खेल खुलेआम जारी है, एनजीटी के स्पष्ट दिशा-निर्देशों को दरकिनार कर जलधारा के बीचों-बीच जेसीबी मशीनें उतारी जा रही हैं। सवाल सीधा है–जब नियम कहते हैं कि नदी में मशीनों से खनन वर्जित है,तो फिर यह साहस किसके संरक्षण में पनप रहा है? खनिज विभाग की हालिया कार्यवाही के दावों के बावजूद जमीनी सच्चाई कुछ और ही कहानी बयां कर रही है,नदी की कोख को उधेड़ती मशीनें बताती हैं कि यहां कानून की नहीं, बल्कि रसूख और सांठगांठ की सत्ता चल रही है।

प्रशासन के लिए कटघरे में खड़े सवाल

- एनजीटी के प्रतिबंध के बावजूद मशीनें कैसे उतरीं?
- हालिया कार्रवाई के बाद भी खनन क्यों नहीं रुका?
- निगरानी और जवाबदेही किसकी है?
- क्या अवैध उत्खनन पर नियमित निरीक्षण हो रहा है?

अब क्या?

मामला केवल अवैध रेत खनन का नहीं,बल्कि शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता का भी है। यदि नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं किया गया, तो कानून की धाराएं कागजी बनकर रह जाएंगी,केवई नदी का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रशासन और संबंधित विभाग इस पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई करते हैं। अन्यथा,नदी का यह मौन क्षरण कल एक बड़े पर्यावरणीय संकट का रूप ले सकता है।

एनजीटी के आदेशों की जलसमाधि?

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देश साफ हैं–नदी की जलधारा के भीतर मशीनों का उपयोग प्रतिबंधित है, केवल सीमित और नियंत्रित मैन्युअल उत्खनन की अनुमति दी जाती है ताकि पारिस्थितिकी तंत्र सुरक्षित रहे,लेकिन बिछियाटोला में जो दृश्य सामने आया,वह इन नियमों की खुलेआम अवहेलना जैसा है,दो जेसीबी मशीनें जलधारा के बीच खुदाई करती पाई गईं,यदि यह सच है,तो यह सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि पर्यावरण के साथ सीधा खिलवाड़ है।

नियमों की बलि,मशीनों का शोर

रेत खनन के नियम इसलिए बनाए गए थे ताकि नदी का प्राकृतिक प्रवाह, जैव विविधता और भूजल संतुलन प्रभावित न हो,भारी मशीनों से खनन नदी की संरचना बदल देता है,कटाव बढ़ाता है और भविष्य में जल संकट की नींव रखता है,खनिज विभाग ने कुछ दिनों पहले कार्रवाई का दावा किया था,लेकिन सवाल यह उठता है कि यदि कार्रवाई हुई थी, तो फिर उत्खनन दोबारा कैसे शुरू हो गया? क्या वह कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित थी?

प्रशासन की रहस्यमयी खामोशी

केल्हारी प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है,नदी किनारे चल रही गतिविधियों की भनक स्थानीय प्रशासन को न हो,यह मानना कठिन है, जनप्रतिनिधियों की चुप्पी ने भी संदेह बढ़ा दिया है,यदि नदी क्षेत्र की जीवनरेखा है,तो उसकी सुरक्षा पर सार्वजनिक आवाज क्यों नहीं उठ रही? क्या यह मौन सहमति का संकेत है या फिर जांच की प्रतीक्षा?

राजनीतिक विरोध, पर जमीनी बदलाव नहीं

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष (ग्रामीण) रामनरेश पटेल ने हाल ही में इस मुद्दे को उठाया था और प्रशासन पर सवाल खड़े किए थे,विरोध के बाद कुछ हलचल जरूर हुई,लेकिन जमीनी स्तर पर खनन गतिविधियां रुकती नजर नहीं आई,यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल एक विभाग की नहीं, बल्कि पूरे निगरानी तंत्र की है।

पर्यावरण की बलि–भविष्य पर संकट

रेत सिर्फ निर्माण सामग्री नहीं,बल्कि नदी के संतुलन का अहम हिस्सा है। अनियंत्रित उत्खनन से जलस्तर गिरता है,पुलों की नींव कमजोर होती है और बाढ़ का खतरा बढ़ता है,केवई नदी,जो इस क्षेत्र की जल आपूर्ति और कृषि की आधारशिला है,यदि इसी तरह दोही जाती रही तो आने वाले वर्षों में इसका असर गांवों और खेतों तक पहुंचेगा।

समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर, 12 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। जिला मुख्यालय स्थित कचहरीपारा में श्रद्धेय पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया,आयोजित कार्यक्रम में नागरिकगण,मातृशक्ति एवं कार्यकर्ताओं ने महान विचारक और प्रखर राष्ट्रवादी नेता पं. दीनदयाल उपाध्याय को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक नागेशनाथ योगी की गरिमामयी उपस्थिति तथा अध्यक्षता कृष्णबिहारी जायसवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

श्रद्धांजलि के साथ राष्ट्रसेवा का संकल्प

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी नागरिकों और मातृशक्ति ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया,वक्ताओं ने कहा कि समर्पण दिवस केवल स्मरण का अवसर नहीं,बल्कि राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देने वाला दिन है।

थ्री इन वन व्यक्तित्व थे पं. दीनदयाल उपाध्याय : नागेशनाथ योगी

मुख्य अतिथि विभाग प्रचारक नागेशनाथ योगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सार्वजनिक जीवन में कोई राजनेता होता है, कोई विचारक या संगठक, लेकिन पं. दीनदयाल उपाध्याय जी इन तीनों गुणों का अद्भुत संगम थे, उन्होंने उन्हें थ्री इन वन व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि अल्प समय में उन्होंने संगठन को नई दिशा देने का कार्य किया और भारतीय संस्कृति पर आधारित अर्थचिंतन एवं विकास की अवधारणा प्रस्तुत की, उन्होंने बताया कि पं. उपाध्याय का जीवन राष्ट्र और समाज के प्रति पूर्ण समर्पण का उदाहरण है, जिससे आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

एकात्म मानववाद के सिद्धांत पर हुई चर्चा

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कृष्णबिहारी जायसवाल ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के'एकात्म मानववाद' दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही इस विचारधारा का मूल उद्देश्य है,उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि गांव,गरीब,किसान,दलित, पीड़ित,शोषित, वंचित और आदिवासी वर्गों के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं,जो पं. उपाध्याय के विचारों को साकार करने की दिशा में प्रयास हैं।

बड़ी संख्या में नागरिकों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में देवेन्द्र तिवारी, मोहित पैकरा,बसंत राय,राजेश सिंह,शैलेष शिवहरे,पंकज गुप्ता,कपिल जायसवाल,गायत्री सिंह,शारदा गुप्ता,प्रदीप तिवारी,मंजू जिवनानी,तीरथ राजवाड़े,वर्षा साहू,गणेश यादव,अनिल खटिक,मैनेजर राजवाड़े,दीपा विश्वकर्मा,संजय चिकनजूरी,रामलखन यादव,सचिदानंद द्विवेदी,रवि त्रिपाठी,मुन्ना चक्रधारी,सतेन्द्र राजवाड़े,रीता यादव,आंचल सिंह,कृष्णा प्रजापति,प्रेमप्रकाश पाण्डेय,दिलराज रवि,लहरे राजा,विमलचंद चेरवा,रेखा वर्मा,अवधेश सिंह,अभिनेन्द्र चंदेल,प्रियंका सिंह,झर्मिला सिंह,प्रदीप राजवाड़े,एस.के. रूप,दिलीप राजवाड़े,मनीष शुक्ला,कृष्णा पैकरा सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 ...

ईश्तहार

आगामी तिथि 12/3/26

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदकगण शैलेन्द्र कुमार गुप्ता व अन्य 1 आ. स्व. विजयभान गुप्ता, दोनो जाति हलवाई, निवासी नगर सूरजपुर, वार्ड क्र 16 थाना तहसील व जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा नामांतरण/फौती दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि आवेदक के स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि खसरा नम्बर 2129 / 3 रकबा 3593 वर्गफुट स्थित है। आवेदकगण के पिता स्व. विजयभान की मृत्यु दिनांक 03.08.2016 को हो जाने से फौती नामांतरण आवेदकगण के नाम पर दर्ज किए जाने का अनुरोध किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक / लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 12/03 / 2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामनुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क0 ब/121/2021-22-2026

ईश्तहार

ग्राम देवनगर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका मटुकधारी राम आ0 रामअधिन जाति चमार निवासी ग्राम तेजपुर लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदक अपने स्वयं मटुकधारी का विलम्ब जन्म प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत् अनुपलब्धता प्रमाण-पत्र अन्य सहायक दस्तावेज के साथ न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया गया है । जन्म दिनांक 27/02/1953।

अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं । अथवा किसी विविध प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 24/02/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित कर दावा/ आपत्ति पेश कर सकतें हैं । उसके पश्चात दावा आपत्ति में कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 10/02/2026 को न्यायलीन पदमुद्रा एंव मेरे हस्ताक्षर से जारी किया ।

सील

नायब तहसीलदार
लिक कोर्ट देवनगर
सूरजपुर (छ.ग.)

प्रतिबंध कागजों में सख्त,सड़क पर धड़ल्ले से कारोबार – हादसे ने खोल दी हकीकत...

मीडिया की नजर पड़ी तो चली कार्रवाई,वरना चलता रहता प्रतिबंधित मछली का खेल...

हादसा बना सबूत, सिस्टम बना मूकदर्शक–जले ट्रक से उजागर हुआ अवैध नेटवर्क

जब आग लगी तब खुली आंखें: प्रतिबंधित थाई मांगुर की सप्लाई पर सवाल

-रवि सिंह-

कोरिया, 12 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। जिले में प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली के अवैध परिवहन का मामला अब प्रशासनिक सुस्ती और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है,पत्रकारों की सक्रियता और दैनिक घटती-घटना में खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद आखिरकार प्रशासन और मत्स्य विभाग हरकत में आया और बरामद मछलियों को नियमानुसार नष्ट करने की कार्रवाई की गई। जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर उस वक्त हड़कंप मच गया,जब उड़ीसा से मध्यप्रदेश की ओर जा रहे एक ट्रक में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई, आग बुझाने और जांच के दौरान जब ट्रक के भीतर झांककर देखा गया,तो बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली मिलने से पूरा मामला उजागर हो गया,यह वही मछली है,जिसके पालन, परिवहन और भंडारण पर पूरे भारत में प्रतिबंध है,फिर भी खुलेआम इसका अवैध कारोबार चलता रहा।

देर शाम डिस्पोज की गई प्रतिबंधित मछलियां

घटना सामने आने के बाद देर शाम रामदईया धाम के आगे सहायक मत्स्य अधिकारी रविन्द्र शर्मा की उपस्थिति में जब्त की गई थाई मांगुर मछलियों को सुरक्षित तरीके से डिस्पोज किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह प्रजाति पर्यावरण और स्थानीय जैव विविधता के लिए हानिकारक मानी जाती है,इसलिए इसके परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध है और नियमानुसार इसे नष्ट करना अनिवार्य था। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी बताई जा रही है।

हादसा नहीं होता तो शायद दबा रहता सच...

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस ट्रक में प्रतिबंधित मछली भरी थी,वह जशपुर,सरगुजा और सूरजपुर जैसे जिलों से गुजरते हुए कोरिया तक पहुंच गया,लेकिन किसी भी स्तर पर रोकथाम नहीं हो पाई। यदि ट्रक में आग नहीं लगती,तो शायद यह अवैध खेप बिना किसी कार्रवाई के अपने गंतव्य तक पहुंच जाती,इससे साफ संकेत मिलता है कि निगरानी तंत्र या तो पूरी तरह निष्क्रिय था या फिर केवल कागजों तक सीमित रह गया था।

मीडिया पहुंची तो जागा विभाग...

स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना की जानकारी पहले सीमित दायरे में ही थी,लेकिन जैसे ही मीडिया मौके पर पहुंची और खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया,तब जाकर संबंधित विभागों की नींद खुली। इसके बाद प्रशासन और मत्स्य विभाग ने तेजी दिखाते हुए मछलियों को नष्ट करने की कार्रवाई की। यह घटनाक्रम एक बार फिर यह साबित करता है कि कई बार प्रशासनिक कार्रवाई तब ही होती है, जब मामला सार्वजनिक दबाव में आता है।

सिस्टम पर उठे कड़े सवाल...

यह मामला सिर्फ एक ट्रक या एक खेप तक सीमित नहीं माना जा रहा। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित मछली राज्यों की सीमाएं पार करते हुए कैसे आगे बढ़ती रही? क्या जांच चौकियां केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं? क्या संबंधित विभागों को इसकी भनक नहीं थी,या फिर जिम्मेदार लोग जानबूझकर अनदेखी करते रहे?

आगे की जांच पर टिकी नजरें...

प्रशासन ने कहा है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और अवैध परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी,हालांकि आम लोगों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि केवल मछलियों को नष्ट कर देने से जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती,असली कार्रवाई तब मानी जाएगी,जब इस अवैध नेटवर्क में शामिल लोगों की पहचान कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए,फिलहाल एक जला हुआ ट्रक पूरे सिस्टम के लिए आईना बन गया है–जिसने दिखा दिया कि प्रतिबंध कागजों पर सख्त हैं, लेकिन जमीन पर उनकी हकीकत कितनी कमजोर है,पत्रकारों की जागरूकता से हुई यह कार्रवाई अब प्रशासनिक जवाबदेही की बड़ी परीक्षा बन चुकी है।

शिवमहापुराण कथा में साकार हुई मानवता: रेणुका सिंह ने मां बनकर किया अनाथ बच्चों का कन्यादान

भक्ति के बीच बसा दो घरों का संसार,विधायक रेणुका सिंह की पहल बनी मिसाल

जहाँ गूँजी महादेव की महिमा,वहीं ममता का रूप बनकर आगे आईं रेणुका सिंह

ए री सखी मंगल गाओ री... शिव विवाह कथा के बीच सजी अनाथ बच्चों की डोली

कथा में शिव-पार्वती विवाह,मंडप में साकार हुई सेवा की कहानी

भक्ति,सेवा और संवेदना का संगम : सोनहत में मानवता का अद्भुत दृश्य

राजनीति से परे ममता की मिसाल – रेणुका सिंह ने थामी अनाथों की कलाई

जब कथा बनी करुणा की राह....विधायक ने निभाया मां का फर्ज

-संवाददाता-

सोनहत (कोरिया), 12 फरवरी 2026(घटती-घटना)। आस्था,अध्यात्म और मानवता का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला जब सोनहत में चल रही शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन धार्मिक वातावरण के बीच सेवा और संवेदना की एक जीवंत मिसाल रची गई। व्यासपीठ से शिव-पार्वती विवाह का दिव्य प्रसंग गूंज रहा था,पंडाल हर-हर महादेव के जयकारों से थर्रा रहा था,और उसी क्षण क्षेत्र की विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह ने मां का दायित्व निभाते हुए दो अनाथ बच्चों का कन्यादान कर उनके जीवन की नई शुरुआत कराई।

व्यासपीठ से सेवा का संदेश

कथा के दौरान कथावाचक ने एक विशेष घोषणा कर सभी का दिल जीत लिया,उन्होंने कहा कि उस दिन कथा में चढ़ाई जाने वाली समस्त दान-दक्षिणा नवदंपति को समर्पित की जाएगी,ताकि उनके नए जीवन की नींव मजबूत हो सके। इस घोषणा पर पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

राजनीतिक सीमाओं से परे सेवा

इस अवसर पर बैकुंठपुर विधायक भैया लाल राजवाड़े भी कथा स्थल पहुँचे और व्यासपीठ को नमन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को पूरा करना ही सच्ची जनसेवा है।

समाज के लिए बनी मिसाल

सोनहत में चल रहा यह धार्मिक आयोजन अब केवल कथा तक सीमित नहीं रहा, यह एक सामाजिक संदेश बन गया है–कि भक्ति केवल श्रवण तक सीमित नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण में भी प्रकट होनी चाहिए,जब शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया जा रहा था और उसी समय दो अनाथ बच्चों का घर बसाया जा रहा था,तब यह दृश्य केवल संयोग नहीं बल्कि एक सशक्त संदेश था–धर्म का असली स्वरूप मानवता है। सोनहत की यह घटना आने वाले समय में भी इस बात के लिए याद की जाएगी कि कैसे एक धार्मिक मंच से सामाजिक परिवर्तन और करुणा की नई कथा लिखी गई।

भक्ति के साथ शक्ति का ममतामयी रूप

कथा स्थल पर हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे। मंच से जब कथावाचक ने माता पार्वती की तपस्या और हिमाचल-मैना द्वारा किए गए कन्यादान का वर्णन किया, उसी समय पास के मंडप में दो अनाथ बच्चों के विवाह की रस्में प्रारंभ हुईं। जिन बच्चों के सिर पर माता-पिता का साया नहीं था, उनके लिए यह क्षण केवल विवाह नहीं,बल्कि जीवन का सहारा था,विधायक रेणुका सिंह ने स्वयं आगे बढ़कर कन्यादान की रस्म पूरी की। उन्होंने नवदंपति को आशीर्वाद दिया और उनके गृहस्थ जीवन की सुख-समृद्धि की कामना की। कन्यादान के समय वे भावुक भी नजर आईं। उन्होंने कहा–राजनीति अपनी जगह है,लेकिन एक जनप्रतिनिधि का पहला कर्तव्य अपने क्षेत्र के असहाय लोगों का सहारा बनना है। आज महादेव की शरण में इन बच्चों का विवाह संपन्न होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

श्रद्धालुओं की आंखें हुईं नम

जैसे ही विवाह की रस्में पूरी हुईं, पंडाल में मौजूद श्रद्धालुओं ने नवदंपति पर पुष्प वर्षा की, माहौल पूर्णतः उत्सव में बदल गया,कई लोगों की आंखें नम थीं–क्योंकि उन्होंने कथा में सुने कन्यादान के प्रसंग को साक्षात होते देखा,कथा स्थल पर उपस्थित लोगों का कहना था कि धर्म तभी सार्थक है,जब वह समाज के कमजोर और असहाय वर्ग के जीवन में रोशनी लाए।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की उपस्थिति

कार्यक्रम की गरिमा उस समय और बढ़ गई जब प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े कथा स्थल पहुँचीं। उन्होंने भगवान शिव की आरती उतारी, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की और आयोजन की सराहना की,उन्होंने कहा–जब जनप्रतिनिधि अध्यात्म को सेवा से जोड़ते हैं,तब वह समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। रेणुका जी ने जिस तरह अनाथ बच्चों का विवाह कराकर उनका घर बसाया है,वह नेतृत्व और ममता का अनूठा उदाहरण है।

फिल्मों से रिजेक्शन,टीवी ने बचाया करियर,पति सुपर स्टार...80 के दशक की एक्ट्रेस को मुश्किल से मिला काम!

हिंदी सिनेमा की एक टैलेंटेड एक्ट्रेस ने भले ही फिल्मों से अपना करियर शुरू किया लेकिन उन्हें खास ऑफर्स नहीं मिले। एक वक्त तो उन्हें बार-बार रिजेक्शन ही मिले। मगर उनका टैलेंट टेलीविजन सीरियल्स में इस्तेमाल हुआ और वह घर-घर में छा गईं।

कुछ कलाकारों को फिल्मी वर्ल्ड से ज्यादा टेलीविजन ने पहचान दिलाई। एक ऐसी ही एक अदाकारा 80 के दशक में आईं जिन्होंने कल्ट क्लासिक से खुद को साबित किया। मगर उन्हें खास फिल्में नहीं मिलीं। टीवी ने उनका करियर संवारा। यह अदाकारा आज थिएटर और टीवी शोज के लिए जानी जाती हैं। 2000 के दशक में भी उन्होंने कई फिल्मों में सपोर्टिंग रोल्स के जरिए दर्शकों का दिल जीता। यह अदाकारा हैं रत्ना पाठक ।

पहली फिल्म रही थी कल्ट

रत्ना पाठक शाह ने 80 के दशक में अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। उनकी पहली फिल्म मंडी थी। श्याम बेनेगल की फिल्म मंडी में मालती देवी की भूमिका में उन्हें पसंद किया गया और तारीफ मिली, बस फिल्में नहीं मिलीं। एक्टिंग में आने से पहले ही उन्होंने नसीरुद्दीन शाह से शादी कर ली थी।

फिल्में न मिलने पर हो गई थीं परेशान

जब रत्ना पाठक अपना करियर बना रही थीं,उस वक्त नसीरुद्दीन शाह इंडस्ट्री में अपने पैर जमा चुके थे। वे नेशनल अवॉर्ड भी जीत चुके थे। पति को एक के बाद एक फिल्में मिल रही थीं और दूसरी ओर रत्ना रिजेक्शन का सामना कर रही थीं। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में रत्ना ने कहा, काफी बुरा लगता था मुझे।

टीवी शोज ने डूबती नैय्या बचाई

रत्ना पाठक शाह ने बताया कि फिल्मों में भले ही उन्हें खास अवसर न मिले हों, लेकिन टीवी ने उनका करियर बचा लिया। बकौल एक्ट्रेस, टीवी ने तो मेरी जान बचा दी। रत्ना को सबसे ज्यादा कामयाबी 2004 में आए टीवी शो साराभाई वर्सेस साराभाई से मिली। इसने उनका करियर चमका दिया।

2000 के दशक में कीं ये फिल्में

80के दशकमें भले ही रत्ना पाठक शाह को खास फिल्में न मिली हों, लेकिन साराभाई वर्सेस साराभाई के बाद उन्होंने यूं होता तो क्या होता,जाने तू या जाने ना,अलादीन, गोलमाल3,एक मैं और एक तू और खूबसूरत जैसी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में काम किया।

राज बब्बर का दामाद कभी नहीं बन पाया सिनेमा का सुपरस्टार,छोटे पर्दे पर करता है राज

सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रहे राज बब्बर अक्सर अपनी फैमिली को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनका दामाद भी मनोरंजन जगत से नाता रखता है और टीवी का एक बड़ा सुपरस्टार है। सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राज बब्बर अपने फिल्मी करियर के अलावा परिवार को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। अपने फैमिली के सदस्यों के चलते आए दिन उनका नाम सुर्खियां बटोरता है। आज बात राज साहब के किसी बेटा,बेटी,और बहू की नहीं बल्कि उनके दामाद के बारे में की जाएगी। राज बब्बर का दामाद सिनेमा में सुपरस्टार बनने आया और उसने कई फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन सिल्वर स्क्रीन पर उसका मनचाही सफलता नहीं मिली। लेकिन वह छोटे पर्दे पर आज की डेट का बड़ा कलाकार माना जाता है। आइए जानते हैं कि वह अभिनेता कौन है।

कौन है राज बब्बर का दामाद

जिस एक्टर के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, उसने 1999 में आई फिल्म गॉड मदर के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इससे पहले 1994 में आए टीवी सीरियल शांति के जरिए वह एक्टिंग में डेब्यू कर चुके थे। बड़े पर्दे पर उन्हें ज्यादा अधिक कामयाबी हासिल नहीं हुई। लेकिन छोटे पर्दे पर एक दिग्गज अभिनेता के तौर पर लोकप्रिय हुए। दरअसल वह कलाकार कोई और नहीं बल्कि अनूप सोनी हैं। जी हां साल 2011 में अनूप ने राज बब्बर की बेटी जूही बब्बर संग शादी रचाई। अनूप की ये दूसरी शादी रही,इससे पहले उनकी पहली पत्नी रीतू रहीं,जिनके साथ उनका रिश्ता 11 साल तक चला और 2010 में इन दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद अनूप सोनी की जिंदगी में जूही की एंट्री हुई और दोनों ने एक दूसरे को अपना हमसफर बना लिया। पहली शादी से अनूप सोनी के दो बेटियां हुईं,जिनके नाम मायरा और जोया हैं। जबकि जूही बब्बर संग शादी के बाद अनूप बेटे ईमान के पिता के बने।

अनूप सोनी टीवी के स्टार

बतौर एक्टर अनूप सोनी ने करीब 30 फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया है। लेकिन उनको टीवी एक्टर के तौर पर काफी लोकप्रियता हासिल हुई। तहकीकात,आहट,सीआईडी और बालिका बधू जैसे कई धारावाहिकों के जरिए अनूप ने देश के कोने-कोने तक अपनी पहचान बनाई। लेकिन क्राइम पेट्रोल शो के होस्ट के तौर पर उन्होंने हर किसी का दिल जीता और टीवी के स्टार बन गए। बता दें कि आखिरी बार अनूप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में नजर आए थे।

शादी करने वाले हैं करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश? करीबी दोस्त ने कर दिया खुलासा

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की शादी की खबरें सोशल मीडिया पर चल रही हैं। उनके दोस्त प्रिंस नरूला ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि कपल एक प्रोजेक्ट कमिटमेंट खत्म होने के बाद शादी कर सकता है। फैंस इस खबर से काफी उत्साहित हैं, क्योंकि दोनों पिछले 5 सालों से डेटिंग कर रहे हैं। काफी समय से ये खबर सोशल मीडिया पर आ रही थी कि करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश शादी करने वाले हैं। अब फाइनली लग रहा है कि एक्टर्स ने अपना मन पक्का कर ही लिया है। एक इंटरव्यू में उनके दोस्त प्रिंस नरूला ने इस पर हिंट दिया है। प्रिंस नरूला ने बताया कि एक प्रोजेक्ट कमिटमेंट को खत्म करने के बाद कपल शादी कर सकता है। नयनदीप रक्षित को दिए इंटरव्यू में प्रिंस ने करण और तेजस्वी के वेडिंग प्लान्स पर चर्चा की। प्रिंस ने कहा- वो एक शो के बाद शादी करेंगे, एक कमिटमेंट है उसके बाद।

शो पर शादी करेंगे करण और तेजस्वी

इस दौरान प्रिंस के साथ उनकी पत्नी युविका भी मौजूद थीं। ये सुनने के बाद युविका तुरंत प्रिंस से सवाल करती हैं - कहीं शो पर तो शादी नहीं कर रहे? इस पर प्रिंस कहते हैं- पता नहीं, शायद हो सकता है।

5 साल से एक-दूसरे को कर रहे डेट

एक तरफ जहां करण और तेजस्वी की तरफ से इस बारे में कोई अपडेट नहीं आया है, वहीं फैंस इस न्यूज से एक्साइटेड हैं। उनका मानना है कि कपल पति,पत्नी और पंगा के सेट पर शादी कर सकते हैं। बता दें कि करण कुंद्रा और तेजस्वी पिछले 5 सालों से डेट कर रहे हैं। दोनों की मुलाकात बिग बॉस 15 में हुई थी। यहीं से इनकी लव स्टोरी आगे बढ़ी और तब से ये कपल साथ है।

करण ने रिलेशनशिप पर की थी बात

हाल ही में, करण ने स्क्रीन को दिए एक इंटरव्यू में तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा, मैं एक रियलिटी शो में था जब मेरी मुलाकात तेजस्वी से हुई। मुझे रियलिटी शो की सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इसमें आपका असली स्वभाव बहुत जल्दी सामने आ जाता है। 7-8 दिनों के भीतर सारे फिल्टर हट जाते हैं। बाहरी दुनिया का कोई दखल नहीं होता,चाहे वो आपके मैनेजर हों, आपका परिवार हो या दोस्त। आप अकेले होते हैं और आप वही महसूस करते हैं जो आप महसूस करते हैं। कोई भी आपके फैसले को जज नहीं करता, इसलिए यह सबसे प्योर फीलिंग होती है।

राउडी अवतार में लौटे अनिल कपूर

अनिल कपूर की एक्शन थ्रिलर फिल्म सूबेदार का टीजर आ गया है। यह फिल्म एक सेवानिवृत्त फौजी अर्जुन मौर्य की कहानी है, जिसका जीवन परिवार की समस्याओं के कारण अप्रत्याशित मोड़ लेता है। इसमें राधिका मदान उनकी बेटी का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में अनिल कपूर का एक्शन अवतार काफी पसंद किया जा रहा है। अनिल कपूर की मच अवेटेड एक्शन पैक्ड थ्रिलर सूबेदार का टीजर आ चुका है। इस फिल्म में राधिका मदन,सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल,फैसल मलिक और मोना सिंह ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। इससे पहले मूवी का टीजर रिलीज किया गया था जिसे देखने के बाद दर्शकों के दिमाग में पहले से ही इसको लेकर काफी उत्सुकता थी।

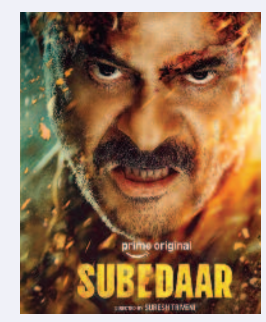

राधिका मदान निभाएंगी बेटी का किरदार

अनिल कपूर के एक्शन अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है। इसी के साथ ही इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है। सूबेदार ओटीटी पर रिलीज होगी। फिल्म सूबेदार एक सेवानिवृत्त सैनिक अर्जुब मौर्य की कहानी है,जिसका जीवन तब अप्रत्याशित मोड़ लेता है जब उसे अपने परिवार में कुछ परेशान करने वाली समस्याओं का पता चलता है। इस फिल्म में राधिका अनिल कपूर की बेटी श्यामा का किरदार निभा रही हैं।

कौन-कौन से कलाकार आएंगे नजर

फिल्म की टैगलाइन-गलत आदमी से पंगा ले लिया। इसकी जान है। रिटायर्ड फौजी किसी तरह से शांति की तलाश में है। फिल्म प्राइम वीडियो पर होली के मौके पर 5 मार्च को रिलीज होगी। इसका डायरेक्शन सुरेश त्रिवेणी ने किया है जबकि विक्रम मल्होत्रा,अनिल कपूर और सुरेश त्रिवेणी इसके निर्माता हैं। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी।

क्या होगी सूबेदार की कहानी

यह कहानी सूबेदार अर्जुन मौर्य के सैन्य सेवा के बाद के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। यह दमदार एक्शन-ड्रामा फिल्म सूबेदार अर्जुन मौर्य के नागरिक जीवन की चुनौतियों, बेटी के साथ उनके तनावपूर्ण संबंधों और सामाजिक अव्यवस्थाओं के संघर्ष को दर्शाती है। कभी देश के लिए लड़ने वाला सूबेदार अब अपने घर और परिवार की रक्षा के लिए आंतरिक शत्रुओं से लड़ता है।

खेल समाचार

अलखोबार में 8 मई से एमएमए टूर्नामेंट शुरू

अलखोबार,12 फरवरी 2026। प्रोफेशनल फाइटर्स लीग ने आज घोषणा की कि 2026 पीएफएल मीना टूर्नामेंट 8 मई को अलखोबार के धहरान एक्सपो में शुरू होगा,जिसमें मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका के बेस्ट मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स टैलेंट को दिखाया जाएगा। टूर्नामेंट के तीसरे सीज़न में फेदरवेट, लाइटवेट और वेल्टरवेट डिवीज़न के बेस्ट फाइटर्स के साथ-साथ कई हाई-प्रोफाइल शोकेस बाउट्स भी होंगे। ओपनिंग कार्ड की हेडलाइनिंग सालाह एडिन हमली होंगी, जो मौजूदा 2025 पीएफएल मीना लाइटवेट चैंपियन हैं। हमली की चैंपियनशिप की विरासत और बढ़ता फैनबेस उन्हें पीएफएल मीना की लगातार ग्रोथ का सेंटरपीस बनाते हैं। अहमद अलब्राहिम एक फीचर्ड वेल्टरवेट बाउट में अपना लंबे समय से इंतज़ार किया जा रहा प्रोफेशनल डेब्यू करेंगे। ईस्टर्न प्रोविंस के रहने वाले अल-इब्राहिम अपने देश में ही प्रो बनेंगे—यही एक मुख्य कारण है कि पीएफएल ने इस इलाके को सीज़न तीन के ओपनर की मेज़बानी के लिए चुना। उनका डेब्यू लोकल एमएमए के लिए एक मील का पत्थर है और पीएफएल मीना के मिशन को दिखाता है कि देश के टैलेंट को ग्लोबल स्टेज पर चमकने का मौका मिले। बहरीन के एमएमए लेजेंड हमज़ा कूहेजी फेदरवेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे और कार्ड पर अपना प्रमोशनल डेब्यू करेंगे। वह बहरीन के सबसे काबिल और जाने-माने फाइटर्स में से एक हैं।पीएफएल मीनाके जनरल मैनेजर जेरोम माजेट ने कहा, हम पीएफएल मीना को ऐसा बनाने के लिए कमिटेड हैं जहाँ एमएमए के लिए पैशन सबसे ज़्यादा हो।

इटली की टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत

नेपाल को 10 विकेट से हराया; मोस्का ब्रदर्स की शतकीय साझेदारी दोनों ने फिफ्टी लगाई

मुंबई ,12 फरवरी 2026। इटली ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत हासिल की है। टीम ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। ग्रुप सी के इस मैच में इटली ने 124 रन का टारगेट 12.4 ओवर में बिना नुकसान के चेज कर दिया। मोस्का ब्रदर्स ने शतकीय साझेदारी की। जस्टिन मोस्का ने नाबाद 60 और एंथोनी मोस्का ने नाबाद 62 रन बनाए। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इटली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। नेपाल 19.3 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। नेपाल के आरिफ शेख ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। दीपेंद्र सिंह ऐरी 17 रन, रोहित पौडेल 23 रन और आसिफ शेख 20 रन बनाकर आउट हुए।

क्रिशन कालुगामगे ने 3 विकेट झटके। बेन मेनेंटी को 2 विकेट मिला। अली हसन, जेजे स्मट्स और जसप्रीत सिंह को एक-एक विकेट मिला।

एंथोनी मोस्का के बल्ले से निकली इटली की पहली जीत

इटली ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहला मैच जीत लिया है। टीम ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। इटली ने 124 रन का टारगेट 12.4 ओवर में चेज कर लिया है।

नंदन यादव के ओवर से 12 रन आए

9वें ओवर में नंदन यादव ने 12 रन खर्च किए। नंदन की आखिरी बॉल पर जस्टिन मोस्का ने चौका लगाया। इससे पहले एंथोनी मोस्का ने चौथी बॉल पर छक्का लगाया। दोनों भाई हैं और 92 रन की पार्टनरशिप कर चुके हैं।

दीपेंद्र सिंह ऐरी के ओवर से 5 रन आए

7वें ओवर में दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 5 रन खर्च किए। ये सभी रन सिंगल के जरिए आए। इस ओवर के बाद टीम का स्कोर 73/0 रहा।

प्लेइंग-इलेवन

नेपाल:- कुशल भुर्तेल, आसिफ शेख, रोहित पौडेल (कप्तान), दीपेंद्र सिंह ऐरी, आरिफ शेख, लोकेश बम, गुलशन झा, करण केसी, नंदन यादव, संदीप लामिछाने और ललित राजबंशी।

इटली:- जस्टिन मोस्का, एंथोनी मोस्का, जेजे स्मट्स, हैरी मेनेंटी (कप्तान), बेन मेनेंटी, मार्कस कैंपोपिनो, ग्रांट स्टुअर्ट, जीपी मीडे, जसप्रीत सिंह, क्रिशन कालुगामगे, अली हसन

नीदरलैंड्स ने आईसीसी वर्ल्ड कप के लिए ट्यूलिप थीम अपनाई

चेन्नई,12 फरवरी 2026। ड्रेसिंग रूम की बोरिंग बातों और बोरिंग ट्रेनिंग सेशन से अलग हटकर, नीदरलैंड्स ने अपने आईसीसी वर्ल्ड कप कैंपेन के लिए थीम अपनाने का एक ट्रेडिशन बनाया है। 2023 आईसीसी वर्ल्ड कप में,जहाँ उन्होंने साउथ अफ्रीका को चौंका दिया था, थीम थी 'नाव चलाओ और दिल से खेलो'। इस एडिशन में, डच लोगों ने अपने देश के करीब की चीज़ की ओर रुख किया है—ट्यूलिप, जो देश का आइकॉनिक फूल है। जैसे ही नीदरलैंड्स एमए. चिदंबरम स्टेडियम में यूएसए के खिलाफ अपने तीसरे गेम की तैयारी कर रहा है,ऑल-राउंडर लोगान वैन बीक ने कहा कि अब ऑरेंज के खिलने का समय आ गया है। वैन बीक ने आगे कहा,ट्यूलिप की खास बात यह है कि इसकी 15 अलग-अलग वैरायटी हैं और हमारे पास इतने ही खिलाड़ियों की टीम है। यह मिट्टी की देखभाल,मेंटेनेंस और

तैयारी के बारे में है। और,किसी समय,आप चाहते हैं कि यह खिले। जब इस वर्ल्ड कप की बात आती है तो हम अब खिलने के मौसम में हैं। कोलंबो में पाकिस्तान पर लगभग उलटफेर करने के बाद,डच टीम ने नई दिल्ली में नामीबिया पर ज़बरदस्त जीत दर्ज की। वैन बीक ने कहा, मैं दो में से दो मैच जीतकर शुक्रवार को क्वालिफ़िकेशन पक्का करने का मौका पाना पसंद करूंगा। लेकिन यह असलियत नहीं है। हमें यूएसए के ख़िलाफ़ एक मज़बूत प्रदर्शन करना होगा और फिर भारत के ख़िलाफ़ इस भरोसे के साथ उतरना होगा कि हम कुछ खास कर सकते हैं।

एएफसी यू-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 में भारत का मुकाबला जापान,ऑस्ट्रेलिया और लेबनान से होगा

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार , मलेशिया के कुआलालंपुर स्थित एएफसी हाउस में आयोजित फाइनल ड्रॉ के दौरान भारत को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 के ग्रुप बी में जापान,ऑस्ट्रेलिया और लेबनान के साथ रखा गया है। किर्गिज़ गणराज्य और उज़्बेकिस्तान को हराकर 21 वर्षों में पहली बार एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने वाली यंग टाइग्रेस टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी,जिसके बाद जापान और लेबनान के खिलाफ मैच होंगे। यह टूर्नामेंट 1 से 17 मई तक चलेगा।

जापान 2024 में उपविजेता रहा था और इस प्रकार टूर्नामेंट के लिए स्वतः ही क्वालीफाई कर गया। वह एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की चार बार की चैंपियन है और साथ ही 2014 में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की चैंपियन और 2010 और 2016 में उपविजेता भी रह चुकी है। ऑस्ट्रेलिया 2024 के टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था और सिंगापुर और उत्तरी मारियाना द्वीप समूह पर जीत के बाद 2026 के टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर गया। वहीं, लेबनान कुवैत और ईरान पर जीत हासिल करके पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग लेगा।

ग्रूप ए में मेजबान चीन को थाईलैंड, वियतनाम और म्यांमार के साथ रखा गया है। ग्रूप सी में उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया गणराज्य, फिलीपींस और ताइपे शामिल हैं। एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 का आयोजन सूज़ौ में, सूज़ौ स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम और सूज़ौ ताइहू फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर में किया जाएगा। प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमें फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप मोरक्को 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी, जहां वर्तमान में उत्तर कोरिया विजेता है।

मनसुख मांडविया ने गुलमर्ग चरण की तारीखें घोषित की

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों की तारीफ की

नई दिल्ली,12 फरवरी 2026। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2026 के गुलमर्ग चरण की तिथियों की घोषणा की है, जो 23 से 26 फरवरी तक जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में आयोजित किया जाएगा। यह खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का छठा संस्करण होगा। बर्फीले खेलों को शामिल करते हुए केआईडब्ल्यूजी 2026 का पहला चरण 20 से 26 जनवरी तक लद्दाख में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया,जबकि बर्फीले खेलों की प्रतियोगिताएं गुलमर्ग में आयोजित की जाएंगी। भारतीय सेना जम्मू-कश्मीर में अपने समग्र चैम्पियनशिप खिताब का बचाव करेगी।

एसएआई मीडिया की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मांडविया ने कहा, गुलमर्ग चरण शीतकालीन ओलंपिक के तुरंत बाद हो रहा है,और खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए यह बिल्कुल सही समय है। लेह (लद्दाख) में हमारा पहला चरण बहुत सफल रहा था और निश्चित रूप से, जम्मू और कश्मीर में भी हमें वैसा ही उत्साह देखने को मिलेगा,क्योंकि एथलीट एक बार फिर प्रकृति और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करेंगे। उन्होंने आगे कहा,खेलो इंडिया विंटर गेम्स के हर सीजन में रोमांचक प्रदर्शन और बढ़ती प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। लेह में फिगर स्केटिंग के जुड़ने से प्रतिस्पर्धा की तीव्रता और बढ़ गई,और गुलमर्ग में हम कोंगदूरी की ढलानों पर कुछ प्रभावशाली समय की उम्मीद कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में कोल कारोबारियों के ठिकानों पर आईटी रेड

बिलासपुर में फिल ग्रुप के घर-ऑफिस में दबिश,जांजगीर-चांपा में तिरुपति मिनरल्स के ऑफिस में छापा

बिलासपुर,12 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर और जांजगीर-चांपा में कोल कोराबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग (आईटी) की टीम ने रेड मारी है। बिलासपुर में फिल ग्रुप के फैक्ट्री और घर समेत अलग-अलग ठिकानों पर टीम ने एक साथ दबिश दी है। जबकि जांजगीर-चांपा में तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आईटी टीम ने छापा मारा है। बिलासपुर में आईटी की टीम ने फिल ग्रुप की ठिकानों पर दबिश दी है। अधिकारी एसआईआर (सर्वे/इंस्पेक्शन रिपोर्ट) की सर्वे टीम बनकर कार्रवाई कर रहे हैं। टीम की गाड़ियों में एसआईआर के स्टीकर भी लगे हुए हैं। फिलहाल,टीम श्रीकांत वर्मा मार्ग स्थित कार्यालय और रामा वर्ल्ड स्थित निवास में जांच और दस्तावेजों की छानबीन कर रही है। कार्रवाई के दौरान टीम की ओर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। बता दें कि फिल ग्रुप के मालिक प्रवीण झा हैं।

दस्तावेज और रिकॉर्ड की चल रही जांच : अफसरों की शुरुआती जांच में सामने आया है कि कोल वाशरी में बड़े पैमाने पर कोल मिक्सिंग के साथ टैक्स में हेराफेरी की जा रही थी। कारोबारी टैक्स बचाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे थे। कारोबार से होने वाली आय की तुलना में कम टैक्स भुगतान किए जाने की आशंका के चलते यह कार्रवाई की गई है। हालांकि, जांच के लिए पहुंचे अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बचते नजर आए। वहीं जानकारों का कहना है कि आयकर टीम को कंपनी के रिकॉर्ड में कई खामियां मिली हैं और टैक्स चोरी के भी प्रमाण सामने आए हैं।

बिलासपुर में 2 माह पहले स्टेट जीएसटी की रेड,अब आईटी टीम पहुंची

इससे पहले बिलासपुर में दिसंबर में स्टेट जीएसटी की टीम ने तीन कोल कारोबारियों के घर में रेड की थी। तब जीएसटी की कार्रवाई के डर से महावीर कोल वाशरी ने 10 करोड़ सरेंडर किए थे। इसके दूसरे दिन फिल ग्रुप ने 11 करोड़ और पारस कोल वाशरी ने 6 करोड़ 50 लाख रुपए सरेंडर किए। इस तरह तीनों कारोबारियों ने मिलाकर 27 करोड़ 50 लाख सरेंडर किए थे। माना जा रहा है कि जीएसटी से मिले इनपुट के आधार पर आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की है।

जांजगीर-चांपा में तिरुपति मिनरल्स के दफ्तर पर छापा

जांजगीर-चांपा जिले के चांपा-बिर्रा रोड स्थित तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आयकर विभाग (आईटी) की टीम ने छापा मारा है। जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की टीम ने कोयला व्यापारी अंशुमान मुरारका के दफ्तर में दबिश दी है। बताया जा रहा है कि टीम सुबह से ही कार्यालय में मौजूद है और दस्तावेजों,लेनदेन,वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच की जा रही है। आयकर विभाग के अधिकारी कार्यालय के भीतर बैठकर आय-व्यय और खातों की पड़ताल कर रहे हैं। तिरुपति मिनरल्स के प्रोप्राइटर अंशुमान मुरारका कोयला व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। कार्रवाई के दौरान विभाग की ओर से व्यापार से संबंधित महत्वपूर्ण कागजातों की जांच की जा रही है। फिलहाल आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है।

महादेव-सिंडिकेट की तर्ज पर वेबसाइट से सट्टा खिलाने वाले पकड़ाए

खंडहर में बैठकर लगवा रहे थे ऑनलाइन-दांव 4 आरोपी गिरफ्तार,18 लाख से ज्यादा जब्त

रायपुर,12 फरवरी 2026। महादेव सट्टा सिंडिकेट की तर्ज पर वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाने वाले गिरोह का कबीर नगर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने खंडहर मकान में बैठकर ramco777.com, wood777.com और powerexch.com वेबसाइट के जरिए सट्टा खिला रहे 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 18 लाख 45 हजार रुपए कैश, कई मोबाइल,बैंक पासबुक और 25 से ज्यादा एटीएम-क्रेडिट कार्ड जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में दीपक सचदेवा, गौरव सचदेवा,ऋषभ रंगलानी और ओम खेमानी शामिल है। आरोपियों पर जुआ एक्ट के तहत पुलिस कार्रवाई कर रही है। पूरे मामले का खुलासा रायपुर पुलिस के अधिकारी जल्द करेंगे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बुधवार शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि, तिरंगा चौक फेस-02 कबीर नगर के पास खंडहर में कुछ युवक ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे हैं। टीम ने घेराबंदी कर मौके से दीपक सचदेवा, ऋषभ रंगलानी और गौरव सचदेवा को पकड़ा। तलाशी में तीनों के पास से लाखों रुपए कैश, मोबाइल और बैंक दस्तावेज बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने अपने साथी ओम खेमानी का नाम बताया, जो इस नेटवर्क में शामिल था। इसके बाद पुलिस ने छठ तालाब हीरापुर इलाके से ओम खेमानी को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से भी 3.11 लाख रुपए नगद, तीन मोबाइल और बड़ी संख्या में एटीएम-क्रेडिट कार्ड बरामद हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि, आरोपी मास्टर आईडी के जरिए लोगों को ऑनलाइन सट्टे की आईडी उपलब्ध कराते थे। क्रिकेट मैचों पर दांव लगवाते थे। रकम को अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर निकालते थे।

भूपेश के बेटे चैतन्य बोले...जेल में कैदी लगाते थे इंजेक्शन

एक ही कमरे में खाना-शौचालय,पीने के पानी में कीड़े मिले,170 दिन प्रताड़ना झेली

रायपुर,12 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल शराब घोटाले केस में 170 दिन जेल में रहे। 3 जनवरी 2026 को बाहर आने के बाद चैतन्य ने जेल की स्थिति को लेकर कई दावे किए है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल के पॉडकास्ट में चैतन्य ने बताया कि जेल की स्थिति बहुत खराब थी। पीने के पानी में कीड़े मिलते थे। एक ही कमरे में खाने और शौचालय का इंतजाम होता था। अस्वस्थ कैदी अपना इलाज खुद कर इंजेक्शन लगा लेते थे, ड्रेसिंग कर लेते थे। इलाज की कोई व्यवस्था नहीं थी। जेल में कांग्रेस नेताओं के साथ ज्यादा बुरा बर्ताव होता है। जज को वहीं दिखाया जाता था जो वह देखना चाहते थे। बता दें कि इसी पॉडकास्ट में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने दावा किया था कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीजेपी में शामिल होने का ऑफर दिया था। कमिटमेंट नहीं करने पर उनके यहां छापे पड़े।

चैतन्य बघेल ने क्या-क्या कहा ? पॉडकास्ट में चैतन्य बघेल ने बताया कि मुझे रायपुर सेंट्रल जेल भेजा गया था और 10म7 के आइसोलेटेड सेल में 170 दिनों तक रखा गया था। कोर्ट की सजा एक होती है, लेकिन जेल के अंदर जो होता है, वह दूसरी सजा होती है। जेल जाने के बाद दूसरी सजा है वहां की प्रताड़ना झेलना। प्रताड़ना ऐसा था कि वहां पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता था। इलाज के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। सेल में ही टॉयलेट था। एक ही कमरे में टॉयलेट और खाना खाना पड़ता था, क्योंकि सेल में पार्टिशन नहीं था।

'कवासी लखमा के सीने में दर्द, इलाज के लिए नहीं भेजा' : इसके अलावा जमीन पर सोता था। आश्चर्य की बात थी कि नॉर्मल इलाज जैसे इंजेक्शन, कैनुला और ड्रसिंग कोई प्रोफेशनल लोग नहीं करते थे, बल्कि कैदी ही करते थे। इसके अलावा कोई साफ-सफाई भी नहीं बरती जाती थी। इस दौरान मेरी तबीयत भी खराब हुई। घरवालों ने कोर्ट में निवेदन किया, लेकिन जेल प्रबंधन ने कहा कि ये ठीक है, अस्पताल भेजने की कोई जरूरत नहीं है। पूर्व मंत्री कवासी लखमा भी लगातार शिकायत करते रहे कि उन्हें सीने में दर्द है। लेकिन उन्हें इलाज के लिए भेजा नहीं गया। जब पिता ने डीजीपी को पत्र लिखा, तब जाकर उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

कांग्रेस नेता जीवन लाल के साथ गलत हुआ : चैतन्य

चैतन्य ने कहा कि जेल में कांग्रेस नेताओं के साथ ज्यादा बुरा बर्ताव होता है। एक कांग्रेस नेता के साथ ऐसा ही हुआ जेल के अंदर स्थित अस्पताल में सही से इलाज नहीं मिलता था। अगर कोई एक्सपायर हो गया है तो उसे ऑक्सीजन मास्क लगाकर अस्पताल भेज दिया जाता था। ऐसा सुनने को मिलता था। हमारे कांग्रेस के नेता जीवन लाल ठाकुर के साथ ही ऐसा हुआ। जो कि चारामा के रहने वाले थे। उनकी मौत हो गई थी।

जज को वहीं दिखाते जो वह देखना चाहते...

कपिल सब्बल की जज की ओर से जेल इंस्पेक्शन वाले सवाल पर चैतन्य बघेल ने कहा कि जज को तो वही दिखाया जाता है, जो वो देखना चाहते हैं। जब आप पानी साफ नहीं दे पा रहे तो यह मानव अधिकारी का खुला उल्लंघन है। साफ पानी पीना और इलाज कराना मेरा अधिकार है। चैतन्य बघेल ने कहा कि कुछ वार्ड ऐसे थे,जहां कैदियों की इतनी खराब स्थिति थी कि जब उन्हें पानी की कमी होती थी, तो वे नाली का पानी रोककर टॉयलेट के लिए इस्तेमाल करते थे।

व्हाट्सऐप चैट और कॉल रिकॉर्डिंग को सही माना हाईकोर्ट ने,महिला की याचिका खारिज

बिलासपुर,12 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवादों में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की स्वीकार्यता को लेकर महत्वपूर्ण व्यवस्था दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पारिवारिक न्यायालय को यह विशेष अधिकार है कि वह विवाद के प्रभावी निपटारे के लिए ऐसे दस्तावेज या सामग्री को भी साक्ष्य के रूप में स्वीकार कर सकता है,जो सामान्यतः साक्ष्य अधिनियम के तहत मान्य न हों। न्यायालय ने पत्नी की याचिका खारिज कर दी। रायपुर निवासी एक व्यक्ति ने फैमिली कोर्ट में अपनी पत्नी के खिलाफ तलाक की अर्जी दाखिल की थी। पति ने अदालत से आग्रह किया कि पत्नी के अन्य लोगों के साथ हुए व्हाट्सऐप चैट और कॉल रिकॉर्डिंग को रिकॉर्ड पर लिया जाए। पत्नी ने इसका विरोध करते हुए आरोप लगाया कि पति ने उसके मोबाइल फोन को हैक कर अवैध तरीके से यह सामग्री हासिल की है, जिससे उसके निजता के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। फैमिली कोर्ट ने पति की अर्जी स्वीकार कर ली,जिसे पत्नी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। एकल पीठ के न्यायाधीश जस्टिस सचिन सिंह राजपूत ने सुनवाई के दौरान कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त निजता का अधिकार पूर्ण (एब्सोल्यूट) नहीं है। निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार सार्वजनिक न्याय से जुड़ा है और कई बार यह व्यक्तिगत निजता से ऊपर हो सकता है।

खूंखार नक्सली माड़वी हिडमा के लिए बजे गाने पूर्व मंत्री अमरजीत भगत बोले...जल,जंगल और जमीन का संरक्षण करने वाले को समर्थन

रायपुर,12 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में भूमकाल स्मृति दिवस की रैली में खूंखार नक्सली माड़वी हिडमा के लिए गीत बजाए गए,जिसपर आदिवासी झूम उठे। कांग्रेस ने सरकार पर सवाल खड़े किए। राज्य के पूर्व मंत्री अमरजीत भगत का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जो जल, जंगल और जमीन का संरक्षण करेगा, उसको समर्थन मिलेगा। जो जल, जंगल और जमीन की लूट करेगा, उसका विरोध होगा। चाहें कोई संगठन हो, सरकार हो या कोई कंपनी। सभी का विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस समय बस्तर सहित पूरे प्रदेश में जो स्थिति बन रही है, इसमें खनिज संपदा की लूट हो रही है। लोगों के संवैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है। कोई अपने अधिकार की बात करता है,तो उसे नक्सली बताकर मार दिया जाता है। क्या आप हिडमा को जल, जंगल और जमीन का रखवाला मानते हैं, इस सवाल पर अमरजीत भगत ने कहा कि केवल हिडमा की बात नहीं बल्कि जो संरक्षण करेगा, उसकी बात है। चाहें कांग्रेस हो,बीजेपी हो,आदिवासी हो,सभी को उनका समर्थन मिलेगा। वहीं इस मामले में कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस हमेशा नक्सलियों के साथ रही है। झीरम घाटी के नाम पर केवल घड़ियाली आंसू बहाए जाते हैं। यह इस बात को साबित करती है। सालों बाद नक्सलवाद समाप्त होने पर कांग्रेस को पीड़ा है। कांग्रेस बस्तर में विकास नहीं चाहती। कांग्रेस ने हमेशा नक्सलियों को आश्रय दिया।

सिक्किम से अध्ययन भ्रमण पर आए पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित धरा को सुंदर,समृद्ध,सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 12 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर प्रदेश है और धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित इस धरा को हमारी सरकार सुंदर, समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में सिक्किम राज्य से अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे पत्रकारों के दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया और उनसे छत्तीसगढ़ को लेकर ढेर सारी बातें साझा की। उन्होंने सभी अतिथियों को राजकीय गमछा भेंट कर छत्तीसगढ़ में स्वागत और अभिवादन किया। मुख्यमंत्री की सहृदयता और आतिथ्य पाकर सभी पत्रकार अभिभूत हुए और उन्हें सिक्किम आने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ 44 प्रतिशत वन क्षेत्र से आच्छादित है तथा यहां 31 प्रतिशत आदिवासी समुदाय निवासरत है। वनोपज संग्रहण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से जनजातीय समुदाय आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। जशपुर जिले में स्व-सहायता समूह की महिलाएं 'जशप्योर' ब्रांड के अंतर्गत उत्पाद तैयार कर आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए सरकार द्वारा 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान किया जा रहा है तथा चरण पादुका योजना के तहत निःशुल्क चप्पल प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह की चिंता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2005 में इस योजना की शुरुआत की गई थी। हाल ही छह हजार से अधिक जोड़े इस योजना के अंतर्गत विवाह बंधन में बंधे, जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत नवदंपतियों को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता एवं 15 हजार रुपये का सामग्री सहयोग प्रदान किया जाता है। नक्सलवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सफल नेतृत्व और दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते प्रदेश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। राज्य सरकार की आकर्षक पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50 हजार रुपये की सहायता तथा तीन वर्षों तक प्रति माह 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं।

अब तक 2,500 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें रोजगार से जोड़ने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। श्री साय ने बताया कि जगदलपुर में आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा 'बस्तर पंडुम' कैफे का सफल संचालन इसका सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि 'नियद नेल्ला नार' योजना के अंतर्गत 17 शासकीय योजनाओं को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाया गया है, जिससे सड़क, बिजली, पानी, राशन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुदृढ़ हुई है। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहे हैं। पर्यटन की संभावनाओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। चित्रकोट जलप्रपात, कुटुम्बसर गुफाएं, अबूझमाड़ के वन और धुड़मारास जैसे स्थल प्रदेश की पहचान हैं। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु होम स्टे को उद्योग का दर्जा दिया गया है, जिसके तहत ग्रामीणों को पांच कमरों तक निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं औद्योगिक विकास के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि नवा रायपुर में 100 एकड़ क्षेत्र में मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है, जहां निम्न आय वर्ग के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने प्रदेश की आकर्षक नवीन औद्योगिक नीति का ज़िक्र करते हुए कहा कि इसके तहत राज्य को लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। साथ ही चित्रोत्पला फिल्म सिटी की स्थापना से प्रदेश में फिल्म उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

रायपुर कोर्ट से कैदी बाप-बेटे फरार..पुलिसकर्मियों को चकमा देकर भागे,4 घंटे तलाश करने के बाद एफआईआर दर्ज

रायपुर,12 फरवरी 2026। रायपुर के जिला न्यायालय परिसर से दो कैदी बाप-बेटे फरार हो गए हैं। पेशी के दौरान पुलिसकर्मियों को चकमा देकर कैदी कोर्ट परिसर से भाग गए। दोनों कैदियों को 4 घंटे तक तलाश किया गया,जब वो नहीं मिले तो सिविल लाइन थाने पहुंचकर आरक्षक ने एफआईआर दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि,फरार कैदियों का नाम राजेश मार्कण्डेय और तुलाराम मारकण्डेय है। फरार कैदी रिश्ते में बाप-बेटे है। इनको मारपीट और हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, रायपुर जेल में बंद कैदी राजेश मार्कण्डेय और तुलाराम मारकण्डेय को बुधवार को न्यायिक अभिरक्षा से कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। आरक्षक ईसरार गौरी को आरोपियों की निगरानी में लगाया गया था। पेशी के बाद उसे वापस जेल ले जाने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान भीड़ और अफरा-तफरी का फायदा उठाकर दोनों कैदी पुलिस अभिरक्षा से निकलकर फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पुलिसकर्मियों ने कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में तलाशी शुरू की,लेकिन आरोपी हाथ नहीं लगे। आरक्षक ने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना दी। आरोपियों की तलाश करने पर जब वो नहीं मिले तो सिविल लाइन थाने पहुंचकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर आरोपियों के फरार होने की दिशा और संभावित ठिकानों की तलाश पुलिस टीम कर रही है।

पहले भी फरार हो चुके आरोपी

रायपुर कोर्ट परिसर से कैदी फरार होने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई आरोपी फरार हो चुके है। फरार हुए कई आरोपियों का विवेचना अधिकारी अब तक पता नहीं लगा पाए है।कोर्ट परिसर से कैदी फरार होने के मामले में सुरक्षाकर्मियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे है। पूर्व में भी कोर्ट परिसर में वीआईपी ट्रीटमेंट के कई मामले सामने आ चुके है।

आयुष्मान योजना में लापरवाही को लेकर राजधानी के 21 अस्पतालों को नोटिस,डाक्टरों और बिस्तरों की संख्या नहीं बता पा रहे हैं अस्पताल

रायपुर,12 फरवरी 2026। आयुष्मान योजना से जुड़े हुए कई निजी अस्पताल पोर्टल में जानकारी अपलोड करने में देरी कर रहे हैं, जिसके चलते उन्हें नोटिस जारी की गई है। इधर आईएमए ने इस मुद्दे पर सामने आकर स्वास्थ्य नियम-शर्तों को शिथिल करने का आग्रह किया है। दरअसल आयुष्मान योजना से संबंधित कई अस्पतालों ने अंतिम चेतावनी पत्र जारी होने के बाद भी डाक्टरों और बिस्तरों की संख्या से संबंधित दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड नहीं किया है। इसके चलते रायपुर के दो दर्जन से अधिक अस्पतालों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। अस्पताल प्रबंधन को 13 फरवरी तक का समय दिया गया है। उधर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इस मुद्दे को लेकर खुलकर सामने आ गया है। आईएमए की ओर से स्वास्थ्य मंत्री और संचालक से मिलकर नियमों को शिथिल करने का आग्रह किया गया है। आयुष्मान के नए पोर्टल में अस्पताल से संबंधित जानकारी अपलोड करने के लिए विभाग द्वारा 6 चिट्ठियां राज्य और जिला स्तर पर जारी की जा चुकी है। दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय से इसे लेकर लगातार सवाल किए जा रहे हैं। अफसरों को कहा जा रहा है कि वे नए एचइएम-2.0 पोर्टल में अस्पतालों के स्टाफ सहित अन्य जानकारियां अपलोड करें।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)